वार्षिक प्रतिवेदन

2025-26

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर

वार्षिक प्रतिवेदन

2025–26

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर–303329 (जयपुर), राजस्थान

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर, जयपुर (राज.)

प्रकाशन संख्या : **SKNAU/2026/147**

संरक्षक
प्रो. (डॉ.) पुष्पेन्द्र सिंह चौहान
कुलगुरू

समन्वयक एवं सम्पादक
प्रो. नरेन्द्र कुमार गुप्ता
निदेशक, (प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन)

डॉ. गिरीश कुमार मित्तल
सहायक प्राध्यापक (जैव रसायन)

डॉ. मनोज कुमार शर्मा
सहायक प्राध्यापक (कृषि सांख्यिकी)

डॉ. हिना साहीवाल
सहायक प्राध्यापक (जैव प्रोद्योगिकी)

संकलन एवं टंकण
श्री सतीश कुमार गौतम
श्री राकेश कुम्हार

योगदान
निदेशक, अनुसंधान / निदेशक, प्रसार शिक्षा / निदेशक, मानव संसाधन विकास / निदेशक, शिक्षा / कुलसचिव / वित्त नियंत्रक / परीक्षा नियंत्रक / भूसम्पति अधिकारी / केन्द्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष / अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर / अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट / भरतपुर / फतेहपुर–शेखावाटी / नवगांव / कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय / डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी / कोटपुतली / बसेड़ी / किशनगढ़बास / झिलाई / भुसावर / पीथमपुरी, उद्यान महाविद्यालय, दुर्गापुरा / राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर, जयपुर, राजस्थान–303329
फोनः 01425–254039, 254555

प्रो. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान
कुलगुरू

प्राक्कथन

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वार्षिक प्रतिवेदन 2025–26 को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। 2013 में अपनी स्थापना के बाद से ही विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों के हस्तानान्तरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षान्त समारोह 05 मार्च, 2025 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति की 1517 उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें से 11 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये जिनमें 10 छात्राएं थीं। आलोच्य वर्ष में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यलय, जोबनेर में अधिकतर संघटक कृषि महाविद्यालयों के प्रशासनिक भवन, छात्र एवं छात्राओं के छात्रावास, अधिष्ठाता निवास आदि का निर्माण कार्य सम्पूर्ण करवा दिये गये हैं। विश्वविद्यालय के 26 विद्यार्थियों ने JRF, 34 विद्यार्थियों ने CUET आदि परीक्षाओं में सफलता हासिल की है।

''एक पेड मां के नाम'' की संकल्पना के तहत विश्वविद्यालय ने अपने संघटक एवं संबद्व महाविद्यालयों तथा अन्य इकाइयों पर लगभग ढाई लाख पौधों का वृक्षारोपण किया है। इन वृक्षों की GEO टैगिंग भी कराई गई है। ''POSH Act के तहत ''कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन की रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम'' की जानकारी देने हेतु कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु खेल–कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ विश्वविद्यालय स्तर पर अक्टूबर माह में कराई गई है।

इस आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित बाजरा की उन्नत किस्म RHB 273, चना की एक किस्म आर.एस.जी.डी. 1155 (करण चना 20), और जौ की RD–3064 किस्म राष्ट्रीय स्तर पर अनुमोदित हुई हैं, जिसका लाभ भारतवर्ष के किसानों को होगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में ICAR, RKVY, निजी कम्पनियों आदि से प्राप्त परियोजाओं के माध्यम से कृषि सम्बन्धित अनुसंधान प्रगति पर हैं। कृषि प्रसार निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से इस वर्ष 219 संस्थागत एवं 155 गैर संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिनसे 12762 किसान, किसान महिलायें तथा युवा लाभान्वित हुए है। साथ ही 1010 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये जिनसे 4499 कृषक लाभान्वित हुए है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष विभिन्न फसलों का 4567 क्विण्टल प्रजनक बीज व 4374 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ है, जिससे क्षेत्र के कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध हो पाया है।

विश्वविद्यालय की सभी इकाइयां और उनके निदेशक, अधिष्ठाता, अधिकारीगण, वैज्ञानिक, कर्मचारियों एवं छात्र विश्वविद्यालय को नई उचाँइयों पर ले जाने के लिये उल्लेखनीय योगदान कर रहे हैं, जिसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मैं डॉ. नरेन्द्र कुमार गुप्ता, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन) एवं उनकी टीम को इस वार्षिक प्रतिवेदन–2025 के संकलन एवं सफल प्रकाशन हेतु बधाई प्रेषित करता हूँ।

(पुष्पेन्द्र सिंह चौहान)

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर जयपुर राजस्थान–303329

डॉ. नरेन्द्र कुमार गुप्ता
निदेशक

आमुख

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर का वार्षिक प्रतिवेदन 2025 प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह प्रतिवेदन वर्ष 2025–26 में विश्वविद्यालय की प्रगति, उपलब्धियों और कार्यों का संकलन है। हमारे विश्वविद्यालय ने इस वर्ष शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी हस्तान्तरण के क्षेत्रों में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यार्थियों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में दक्षता और कौशल प्रदान करने हेतु अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों के साथ अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ भी की जा रही हैं, जिससे वे समाज और राष्ट्र के लिए जिम्मेदार नागरिक बन सकें। विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान में भी अग्रणी कार्य कर रहा है। यहाँ पर विभिन्न फसलों की जलवायु परिवर्तन आधारित उन्नत किस्में तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। साथ ही कृषि को सुद्वढ बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कृषि प्रौद्योगिकियाँ विकसित की जा रही हैं, जिससे कृषि उत्पादन क्षमता में क्रमोत्तर वृद्धि हो रही है। मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी हमारे विश्वविद्यालय का योगदान समाज के विकास और प्रगति में निरंतर बढ़ता रहेगा। आशा करता हूँ कि यह वार्षिक प्रतिवेदन–2025 हितकारकों के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा, जिससे उन्हें विश्वविद्यालय में किये जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की जानकारी प्राप्त हो।

मैं इस वार्षिक प्रतिवेदन में दर्शित विभिन्न जानकारियों को संकलित एवं प्रकाशित करने में विश्वविद्यालय के निदेशकों, अधिष्ठाताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, समस्त इकाईयों के प्रभारियों, वैज्ञानिकों तथा सहकर्मियों के सहयोग हेतु आभार प्रकट करता हूँ। साथ ही इस वार्षिक प्रतिवदेन के संकलन व लेखन में पूर्ण सहयोग के लिए अपनी टीम को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

मैं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके कुशल मार्गदर्शन में यह विश्वविद्यालय कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर अग्रसर है।

(नरेन्द्र कुमार गुप्ता)

विवरणिका

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	विश्वविद्यालय का परिचय एवं संगठनात्मक ढांचा	1–15
2.	विभिन्न संवर्गों में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण	16–22
3.	बजट मद	23–25
4.	प्रमुख सिविल कार्य प्रगति	26–31
5.	कृषि शिक्षा	32–37
6.	पुस्तकालय	38
7.	छात्र कल्याण निदेशालय	39–43
8.	अनुसंधान निदेशालय	44–54
9.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	56–64
10.	शिक्षा निदेशालय	65
11.	मानव संसाधन विकास निदेशालय	66
12.	प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन निदेशालय	67
13.	पुरस्कार	68–69
14.	प्रतिष्ठित आगंतुक	70–72
15.	सारांश	73

1. विश्वविद्यालय का परिचय एवं संगठनात्मक ढांचा

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 13 सितम्बर 2013 में राजस्थान सरकार के राज्य अधिनियम 20 तथा संशोधित अध्यादेश 23 के तहत हुई। विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार तीन जलवायु खण्डों के लगभग 64 लाख हैक्टेयर में फैला हुआ है जो कि राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 1/6 भू–भाग है तथा 12 जिलों यानि सीकर, जयपुर, अजमेर, टोंक, दौसा, ब्यावर, अलवर, भरतपुर, कोटपुतली, धौलपुर, डीग और खैरथल में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के इन जिलों में औसतन 500–700 मिमी वार्षिक वर्षा होती है।

कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं सम्बन्धित विज्ञान में शिक्षा, शोध एवं प्रसार की आधुनिक तकनीकों को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्रों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान करना है।

विश्वविद्यालय के मूलभूत उद्देश्य :

1. कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों में शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा का अभिवर्द्धन,
2. विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार वाले जलवायु खण्डों की महत्वपूर्ण खाद्यान्नों, दालों, मसालों एवं उद्यानिकी फसलों की उन्नत संकर किस्मों का निर्माण,
3. उच्च उत्पादकों के लिये स्थानीय तकनीकियों, विशिष्ट विविध भू–उपयोग तंत्र को विकसित करना,
4. किसानों और प्रसार पदाधिकारियों द्वारा विकसित प्रौद्यौगिकियों का तेजी से हस्तानांतरण।

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल महोदय होते हैं। विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संवैधानिक निकाय प्रबन्ध मण्डल (Board of Management) है जो कि कुलगुरू महोदय को विभिन्न विषयों पर अपनी सहमति प्रदान करती है। विश्वविद्यालय की अन्य संवैधानिक निकायों में शैक्षणिक परिषद, शोध परिषद् तथा प्रसार शिक्षा परिषद् हैं, जो क्रमशः शिक्षा, शोध एवं प्रसार के विभिन्न आयामों से सम्बद्ध रहती हैं।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा

1. संगठनात्मक ढांचा

कुलाधिपति

↓

कुलगुरू

अधिष्ठाता

1. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
2. कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)
3. कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)
4. कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
5. कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)
6. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर
7. कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली
8. कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)
9. कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़बास (अलवर)
10. कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)
11. कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)
12. कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)
13. डेयरी एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर (जयपुर)
14, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा (जयपुर)

अधिकारी

1. कुल सचिव
2. वित्त नियंत्रक
3. भू–सम्पति अधिकारी

अन्य

1. परीक्षा नियंत्रक
2. पुस्तकालयाध्यक्ष

निदेशक

- अनुसंधान
- शिक्षा
- मानव संसाधन विकास
- छात्र कल्याण
- प्राथमिकता, निरीक्षण व मूल्यांकन
- प्रसार शिक्षा

अनुसंधान

1. राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर
2. कृषि अनुसंधान केन्द्र फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)
3. कृषि अनुसंधान केन्द्र नवंगाव (अलवर)

कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र

1. डिग्गी (टोंक)
2. कोटपूतली (जयपुर)
3. तबीजी (अजमेर)
4. कुम्हेर (भरतपुर)

प्रसार शिक्षा

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर)
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर (सीकर)
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवंगाव (अलवर)
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
8. कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि एवं संबद्ध विषयों में छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में इस विश्वविद्यालय में चार संकायों यथा कृषि संकाय, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, डेयरी एवं प्रौद्योगिकी और उद्यान विज्ञान संकाय में पाठ्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 14 महाविद्यालय है जिनमें कृषि शिक्षा के लिए 11 कृषि महाविद्यालय हैं। इनमें प्रथम तथा प्रमुख शिक्षण संस्थान श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर है। अन्य 10 कृषि महाविद्यालय लालसोट (दौसा, 2007 में स्थापित), फतेहपुर शेखावाटी (सीकर, 2013 में स्थापित), कुम्हेर (डीग, 2013 में स्थापित), नवगांव (अलवर, 2018 में स्थापित), कोटपूतली (2019 में स्थापित), बसेड़ी (धौलपुर, 2019 में स्थापित), किशनगढ़बास (अलवर, 2019 में स्थापित), भुसावर–वैर (भरतपुर, 2021 में स्थापित), झिलाई (टोंक, 2021 में स्थापित), पीथमपुरी (सीकर, 2021 में स्थापित) हैं। अन्य संकायों में कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2016, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2021 एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर वर्ष 2023 में स्थापित किये गये हैं। कृषि संकाय के अधीन कृषि शिक्षा की शैक्षणिक गतिविधियों को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर समन्वित करता है। कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में प्रतिवर्ष 127 व कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर एवं कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर में 120 – 120 विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष प्रवेश दिया जाता है। कृषि संकाय के अन्य कृषि महाविद्यालयों मे प्रत्येक में 60 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त 17 राजकीय एवं 10 निजी महाविद्यालय भी श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर से संबद्धता रखते हैं। कृषि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) एवं कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) में संचालित किये जा रहे है तथा विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर एवं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) में संचालित किये जा रहे है।

यह विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान में भी अभूतपूर्व कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय में 2013 से अनुसंधान निदेशालय कार्यरत है, जिसके अर्न्तगत तीन अनुसंधान केन्द्र हैं, –(1) राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) इस कृषि विश्वविद्यालय का मुख्य अनुसंधान केन्द्र है जिसमें अनुसंधान के साथ–साथ विद्यावाचस्पति एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी चल रहे है। (2) कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) व (3) कृषि अनुसंधान केन्द्र नवगॉव (अलवर) में स्थित हैं। इसके अलावा यहाँ चार कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) में स्थित हैं। अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत 18 दीर्घावधी अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं, जिनको भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की 75 प्रतिशत वित्तीय व शेष राज्य सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इनमें से 14 परियोजनाएं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान–दुर्गापुरा, 01 परियोजना कृषि अनुसंधान केन्द्र फतेहपुर शेखावटी एवं 03 परियोजनाएं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्याल जोबनेर पर संचालित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत यहां के क्षेत्राधिकार के महत्व की 19 प्रकार की फसलों, सब्जियों तथा शुष्क क्षेत्र फलों पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है। अन्य अनुसंधान परियोजनाएं पौध संरक्षण, कृषि वानिकी, बीज अनुसंधान, सूत्रकृमि, एकीकृत कृषि पद्धति आदि पर हैं। एक परियोजना ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पर भी संचालित है जिसके माध्यम से लगभग 4 लाख कृषकों को उनके मोबाइल फोन पर मौसम संबंधी सूचना भेजी जाती है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के तहत कुल 879.43 हैक्टेयर का कृषि फार्म है जिस पर अनुसंधान तथा गुणवत्ता युक्त बीजोत्पादन किया जाता है।

विश्वविद्यालय में 2013 से कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय भी कार्यरत हैं जिसके क्षेत्राधिकार में कुल आठ कृषि विज्ञान केन्द्र हैं जो कोटपूतली जिले के गोनेडा, दौसा जिले के खेडला खुर्द, अजमेर जिले के तबीजी, अलवर जिले के नवगांव, डीग जिले के कुम्हेर, धौलपुर जिले के मसूदपुर एवं सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी व अरनिया में स्थित हैं। कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा किसानों के लिए "जोबनेर कृषि" नाम से मासिक पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर किया जा रहा है। कृषि विज्ञान

केन्द्र किसानों के प्रशिक्षण, प्रसार कार्यकर्ताओं के तकनीकी ज्ञान की वृद्वि हेतु प्रशिक्षण, ग्रामीण महिला एवं पुरूषों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों, किसान मेलों आदि का आयोजन सामाजिक रूप से करते हैं।

विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास एवं छात्र कल्याण निदेशालय भी हैं जो क्रमशः वैज्ञानिकों, अध्यापकों एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य करते हैं। निदेशालय प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य विश्वविद्यालय की गतिविधियों का संकलन व प्रकाशन करना है। प्रशासनिक कार्यों के लिए कुलसचिव एवं वित्तीय मामलों के लिए वित्त नियंत्रक कार्यालय विश्वविद्यालय के अभिन्न अंग हैं। विश्वविद्यालय का सिविल कार्य भू–सम्पत्ति अधिकारी द्वारा सम्पन्न किया जाता है।

प्रबंध मंडल की बैठक

विश्वविद्यालय की सर्वोच संवेधानिक निकाय प्रबन्ध मण्डल है, जिसकी बैठक नियमित अंतराल पर होती रहती है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रबंध मंडल के सदस्यों का विवरण :

क्र. सं.	सदस्य	सदस्य का नाम	
1.	कुलगुरू	प्रो. (डॉ.) पुष्पेन्द्र सिंह चौहान	पदेन अध्यक्ष
2.	शासन सचिव, कृषि विभाग या मनोनीत उप सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
3.	शासन सचिव, वित्त विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
4.	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
5.	शासन सचिव, पशुपालन विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन सदस्य
6.	राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किया जाने वाला राजस्थान विधानसभा का एक सदस्य	श्री कैलाश चन्द वर्मा, सदस्य, विधानसभा	सदस्य
7.	कृषि के क्षेत्र से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाले दो प्रख्यात शिक्षाविद् / शैक्षणिक	डॉ. उम्मेद सिंह शेखावत डॉ. एन. आर. पंवार	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय की अधिकारिता में से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक प्रगतिशील किसान	श्री पंकज मीणा	सदस्य
9.	सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक विशिष्ठता प्राप्त कृषि उद्योगपति	श्री रामलाल चौधरी	सदस्य
10.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक अधिष्ठाता	–	सदस्य
11.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक आचार्य	डॉ. हरफूल सिंह	सदस्य
12.	कुल सचिव	सुश्री नेहा राठी, आर.ए.एस. (अतिरिक्त प्रभार)	सदस्य सचिव

प्रतिवेदन अवधि में सम्पन्न हुई प्रबंध मंडल की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है।

क.सँ.	बैठक	दिनांक	माध्यम
1.	29 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	04.03.2025	हाईब्रिड माध्यम
2.	30 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	03.07.2025	हाईब्रिड माध्यम

प्रबंध मंडल की बैठकों में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

1. विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में की जाने वाली अशैक्षणिक संवर्ग के पदों की भर्ती हेतु लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को पदों की संख्या के 10 गुणा अनुपात में स्क्रीनिंग/जॉब टेस्ट/दक्षता परीक्षा/भौतिक व कौशल परीक्षण/साक्षात्कार हेतु बुलावा पत्र जारी करने हेतु प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
2. विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में की जाने वाली अशैक्षणिक संवर्ग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं समकक्ष पदों की भर्ती हेतु राज्य सरकार के अनुरुप भौतिक व कौशल परीक्षण से पूर्व परीक्षा का आयोजन किये जाने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
3. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में पी.एच.डी. अंतिम वर्ष में अध्ययनरत राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उनके विषय में स्नातक/अधि–स्नातक कक्षाओं को पढ़ाने के लिये गैस्ट फैकल्टी के रूप में राजस्थान सरकार की विद्यासम्बल योजनानुसार रखने हेतु समेकित आठ सौ रूपये प्रति कक्षा व अधिकतम 16 कक्षा प्रतिमाह 4 (3+1) क्रेडिट घण्टा, 12 कक्षा प्रतिमाह 3 (2+1) क्रेडिट घण्टा, 8 कक्षा प्रतिमाह 2 (1+1 या 2+0) क्रेडिट घण्टा एवं 4 कक्षा प्रतिमाह 1 (0+1 या 1+0) क्रेडिट घण्टा वाले कोर्स के लिए नियत दर पर रखे जाने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
4. आर्थिक स्थिति से कमजोर मेधावी छात्रों के फीस के भरण–पोषण हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एक Students' Welfare Fund के गठन का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया जिससे कि भविष्य में होनहार/प्रतिभावान विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा जारी रखने में आने वाली आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।
5. विश्वविद्यालय के Act and Statutes के शीर्षक में एक्ट संख्या 20/2013 (22/2013 के स्थान पर) संशोधन करने हेतु माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति को प्रस्ताव के आवश्यक संशोधन के अनुमोदन हेतु भिजवाने का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।
6. विश्वविद्यालय की सेवा में सेवारत संकाय एवं सेवानिवृत संकाय को सातवें वेतन आयोग में वेतन स्थिरीकरण पश्चात् उनकी एरियर राशि का भुगतान करने हेतु प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा विचार–विमर्श उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
7. विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग में वेतन स्थिरीकरण पश्चात् उनकी एरियर राशि ₹ 70,12,916/– का भुगतान करने हेतु प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा विचार–विमर्श उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
8. विश्वविद्यालय की सेवा में सेवारत रहते हुए कार्मिक की मृत्यु होने पर प्राथमिकता प्रदान करते हुए सेवानिवृति परिलाभों का अंतिम भुगतान करने का प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा विचार–विमर्श उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
9. विश्वविद्यालय के अधीनस्थ महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की परीक्षा एवं व्यवहारिक परीक्षण (Practical) करवाने हेतु बाहरी (External) शैक्षणिक अधिकारियों द्वारा महाविद्यालयों में उपस्थिति प्रस्तुत करने पर वाहन किराये के भुगतान हेतु प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा विचार–विमर्श उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

शैक्षणिक परिषद्

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्यो की समीक्षा करने और उनकी गुणवत्ता में समयानुसार परिवर्तन अथवा सुधार करने हेतु निम्न सदस्यों की एक शैक्षणिक परिषद् है–

क.सं.	नाम	पद
1.	कुलगुरू, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन अध्यक्ष
2.	विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक–	
	• निदेशक, अनुसंधान	पदेन सदस्य
	• निदेशक प्रसार शिक्षा	पदेन सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता निरीक्षण एवं मूल्यांकन	पदेन सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण	पदेन सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन व विकास	पदेन सदस्य
3.	संकायों के अध्यक्ष–	
	• अधिष्ठाता, एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
4.	विश्वविद्यालय के समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी, धौलपुर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य
5.	परीक्षा नियंत्रक, श्री. कर्ण नरेन्द कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
6.	सह अधिष्ठाता, रा.कृ.अ.सं., दुर्गापुरा–जयपुर (28वीं बैठक से)	सदस्य

7.	समन्वयक, स्नातकोत्तर परीक्षा प्रकोष्ठ, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
9.	समस्त विभागों के विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष	
	• सस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान विभाग	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौधव्याधि विभाग	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• पशुधन प्रबंधन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• डॉ. के.के. दहिया, पूर्व निदेशक एवं सेवानिवृत प्रोफेसर कीट विज्ञान, सीसीएस एचएयू, हिसार	बाहरी सदस्य
	• डॉ. एस.एस. सिंद्धू, प्रमुख वैज्ञानिक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, पुष्प विज्ञान संभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	बाहरी सदस्य
12.	माननीय कुलपति द्वारा सहयोजित सदस्य–	
	• डॉ. जे. के. रंजन, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	सहयोजित सदस्य
	• डॉ. नवीन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	सहयोजित सदस्य
13.	• कुलसचिव, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
14.	• वित्त नियत्रंक, श्री कर्ण नरेन्द कृषि विश्वविद्यालय	आंमत्रित सदस्य
15.	• निदेशक, शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

वर्ष 2025 में परिषद् की दो बैठकें सम्पन्न हुईं जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क.स.	बैठक	दिनांक	माध्यम
1.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–29	03.03.2025	ऑफ लाइन
2.	शैक्षणिक परिषद् बैठक–30	13.05.2025	हाइब्रिड मोड

शैक्षणिक परिषद की बैठको में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

1. परीक्षा नियंत्रक द्वारा अधिसूचना संख्या F( )/SKNAU/COE/2025/956 दिनांक 03.03.2025 के माध्यम से प्रस्तुत सूची के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों को प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण पदकों की सूचियों पर विचार कर अनुमोदन किया गया।

2. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा गठित षष्टम् डीन की सिफारिश के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए दिशा–निर्देशों को अपनाने और लागू करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

3. स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर की परीक्षाओं में सांख्यिकीय गणनाओं को सुगम बनाने के लिए शैक्षणिक सत्र 2025–26 से गैर–प्रोग्रामेबल वैज्ञानिक कैलकुलेटर, लघुगणक सारणी, ग्राफ पेपर और सांख्यिकीय सारणियों (टी.एफ. और ची–स्क्वायर सारणी) के उपयोग की अनुमति दिये जाने का अनुमोदन किया गया।

4. विद्यार्थी के अनुशासनहीनता के लिए जुर्माने की राशि ₹500/– से बढ़ाकर ₹1000/– तथा अधिकतम सीमा ₹5000 तक बढ़ाने का अनुमोदन किया गया।

5. विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025–26 से छात्र कल्याण कोष के नाम से एक कोष स्थापित किया जाएगा जो एक समर्पित वित्तीय सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि प्रतिभाशाली परन्तु आर्थिक रूप से वंचित छात्र बिना किसी वित्तीय बाधा के अपनी शिक्षा जारी रख सकें।

6. दुर्गापुरा स्थित बागवानी महाविद्यालय के अध्ययन बोर्ड की प्रथम बैठक की कार्यवाही और सदस्यों की सूची को सर्वसम्मति से पारित और अनुमोदित किया गया।

7. डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर के अध्ययन बोर्ड की पहली बैठक की कार्यवाही और सदस्यों की सूची को सर्वसम्मति से पारित और अनुमोदित किया गया।

8. शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए एस.के.एन. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर से संबद्ध 12 सरकारी/निजी कृषि महाविद्यालयों की संबद्धता नवीनीकरण के आदेशों की पुष्टि की गई, साथ ही 2024–25 के बजट घोषणा के तहत हाल ही में स्थापित 3 सरकारी कृषि महाविद्यालयों की नई संबद्धता की भी पुष्टि की गई।

9. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के उन पी.एच.डी. छात्रों को अतिथि संकाय के रूप में नियुक्त करने के लिए सर्वसम्मति से दिशानिर्देश पारित और अनुमोदित किया गया है, जिन्होंने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और जो अपने डिग्री कार्यक्रम के पांचवें सेमेस्टर और उसके बाद के वर्षों में हैं। ये छात्र शैक्षणिक सत्र 2025–26 से अपने–अपने विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को पढ़ा सकेंगे।

10. आईसीएआर द्वारा अनुसूचित जाति श्रेणी के लाभार्थियों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों हेतु आवंटित निधियों के प्रभावी उपयोग हेतु समिति द्वारा तैयार किए गए दिशा–निर्देशों को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

11. स्नातक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए पारिश्रमिक 30 रुपये प्रति उत्तर पुस्तिका करने का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया, जिसमें न्यूनतम राशि 500 रुपये होगी। यह प्रस्ताव द्वितीय सेमेस्टर 2024–25 की परीक्षाओं से किये जाने का अनुमोदन किया गया।

12. वर्ष 2024–25 के द्वितीय सेमेस्टर से पुनर्मूल्यांकन/पुनः योग प्रपत्र जमा करने की अवधि 15 दिन के बजाय 10 दिन करने का अनुमोदन किया गया।

13. 2025–26 के शैक्षणिक सत्र से श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के दो स्नातकोत्तर परिसरों श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर और राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में मृदा विज्ञान विषय में एमएससी (कृषि) और पीएचडी डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश क्षमता 1 सशुल्क सीट से बढ़ाकर 2 सशुल्क सीटें की करने का निर्णय लिया गया। सामान्य सीटों और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान सीटों की संख्या यथावत् रहेगी।

- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के बागवानी विभाग में "बागान मसाले, औषधीय और सुगंधित पौधे (पी.एस.एम.ए.)" विषय में पीएचडी कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया, जिसमें 1 सामान्य और 1 शुल्क आधारित सीट उपलब्ध होगी।

शोध परिषद्

विश्वविद्यालय में शोध संबंधी कार्यो हेतु एक शोध परिषद कार्यरत है जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की शोध परिषद् के सदस्यों का विवरण

क.सं.	नाम व पद	
1.	कुलगुरू	पदेन अध्यक्ष
2.	निदेशक कृषि, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
3.	निदेशक उद्यान, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
4.	निदेशक मत्स्य, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
5.	मुख्य वनरक्षक, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
6.	समस्त निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• निदेशक प्रसार शिक्षा	पदेन सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन	पदेन सदस्य
	• निदेशक, शिक्षा	पदेन सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण	पदेन सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन विकास	पदेन सदस्य
	• निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य
7.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	
	• अधिष्ठाता, एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य

	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर (जयपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर (जयपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा (जयपुर)	पदेन सदस्य
8.	समस्त क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान	
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
9.	समस्त कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र	
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूतली	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)	सदस्य
10.	समस्त विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• शस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौध व्याधि विभाग	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग	सदस्य

	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• जैव रसायन विभाग	सदस्य
	• पशुधन प्रबंधन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• सूत्र कृमि विभाग	सदस्य
11.	विख्यात वैज्ञानिक	
	• डॉ. बी. एस. तोमर, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
	• डॉ. साई दास, निदेशक भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, करनाल	सदस्य
	• डॉ. रमेश मित्तल, पूर्व निदेशक, चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि प्रबंध संस्थान, जयपुर	सदस्य
	• डॉ. वर्षा तन्नु, सह प्राध्यापक, आई.आई.एच.एम.आर, जयपुर	सदस्य
12.	निदेशक अनुसंधान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सचिव सदस्य

वर्ष 2025 में शोध परिषद् की तीसरी बैठक दिनांक 19.08.2025 को सम्पन्न हुई, जिसमें लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है–

- विश्वविद्यालय की बीज नीति (Seed Policy) का निर्माण किया गया ताकि प्रदेश के किसानों को उत्तम बीजों का लाभ मिल सके।
- इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में फसलों के लिए आनुवंशिक सुधार कार्यक्रम को और सुद्वढ किया जाने का निर्णय लिया गया।
- विश्वविद्यालय में डिजिटल और जल संसाधन प्रबंध संयत्र लगाने का अनुमोदन किया गया।
- राजस्थान के विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में फसल किस्मों का बहु–स्थानिक परीक्षण की अनुमति दिये जाने का अनुमोदन किया गया।
- पौधो की प्रजातियों के लिए जैव सूचना विज्ञान आंकड़ों का विकास करने का अनुमोदन किया गया।
- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विश्वविद्यालय प्रौधौगिकी प्रंबधन इकाई प्रकोष्ठ की स्थापना करने का अनुमोदन किया गया।

प्रसार शिक्षा परिषद्

प्रसार संबंधी कार्यो के प्रसार शिक्षा परिषद है जिसके सदस्यों का विवरण निम्नानुसार है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रसार शिक्षा परिषद् के सदस्यों का विवरण

क.सं.	नाम और पद	
1.	कुलगुरू, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन अध्यक्ष
2.	सचिव कृषि विभाग, राजस्थान सरकार (सहायक मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव कृषि विभाग)	सदस्य

3.	निदेशक कृषि/निदेशक उद्यान/निदेशक मत्स्य/मुख्य वनरक्षक, राजस्थान सरकार	सदस्य
4.	निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	• निदेशक अनुसंधान : डॉ. उम्मेद सिंह	सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकनः डॉ. एन. के. गुप्ता	सदस्य
	• निदेशक, शिक्षा : डॉ. राकेश सामोरिया	सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण : डॉ. के. सी. शर्मा	सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन विकासः डॉ. ए. सी. शिवरान	सदस्य
	• निदेशक राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा : डॉ. हरफूल सिंह	सदस्य
5.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	सदस्य
	• अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर डॉ. डी. के. गोठवाल	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा) : डॉ. डी. के. यादव	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर) : डॉ. संजय अत्तर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर : डॉ. डी. के. गोठवाल	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली : डॉ. एस.एस. मनोहर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धोलपुर) : डॉ. जुनैद अख्तर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक) : डॉ. आर. एस. मीणा	सदस्य
	• अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर : डॉ. एल. एन. बैरवा	सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, महाविद्यालय, जोबनेर : बी. एल. जाट	सदस्य
6.	क्षैत्रीय निदेशक अनुसंधान,	
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर : डॉ. गोपाल चौधरी	सदस्य
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) : डॉ. संजय अत्तर	सदस्य
7.	कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र	
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर : डॉ. डी. एस. भाटी	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा : डॉ. बनवारी लाल जाट	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूटली : डॉ. सुपर्ण सिंह	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर): डॉ. नवाब सिंह	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर): डॉ. आर. के. दुलड़	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर : डॉ. जितेन्द्र सिंह	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर) : डॉ. सुभाष चंद यादव	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनियां (सीकर) : डॉ. शंकर लाल कास्वां	सदस्य

8.	विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• सस्य विज्ञान विभाग : डॉ. एस. एस. यादव	सदस्य
	• मृदा विज्ञान विभाग : डॉ. के. के. शर्मा	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग : डॉ. अख्तर हुसैन	सदस्य
	• पौधव्याधि विभाग : डॉ. शैलेश गोदिका	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग : डॉ. आइ.एम. खान	सदस्य
	• उद्यान विभाग : डॉ. एस. पी. सिंह	सदस्य
	• आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग : डॉ. डी. के. गोठवाल	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग : डॉ. एम. के. शर्मा	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग : डॉ. किरण गौड	सदस्य
	• विश्वविद्यालय लाइब्रेरियन : डॉ. एल. आर. यादव	सदस्य
9.	प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त मुख्य वैज्ञानिक	
	• डॉ. जे. पी. एस. डाबास, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली • श्रीमान् सुधीर मान, वरिष्ठ मार्केटींग मैनेजर, इफको, जयपुर	सदस्य सदस्य
10.	प्रगतिशील कृषक	
	• पद्मश्री श्री सुंडा राम वर्मा, गांव–दांता (धाबाया वाली कोठी), पोस्ट–दांता, जिला–सीकर	सदस्य
	• श्री श्याम सुंदर शर्मा, प्रगतिशील कृषक, खटवा, जिला–दौसा	सदस्य
11.	संस्थाओं के प्रतिनिधि	
	• निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• अधीक्षण अभियंता, सिंचाई विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• राज्य विपणन प्रबंधक, ईफको, राजस्थान	सदस्य
	• महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य बीज निगम, जयपुर	सदस्य
12.	• निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर : डॉ. आर. एन. शर्मा	सदस्य सचिव

माननीय कुलगुरू महोदय की अध्यक्षता में प्रसार शिक्षा परिषद की तृतीय बैठक दिनांक 28 जुलाई, 2025 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में संपन्न हुई जिसमें लिए गए महत्वपूर्ण निम्न प्रकार हैं।

- भारतीय नस्ल की देशी गायों का उत्पादन बढ़ाने पर अनुसंधान करने के सुझाव का अनुमोदन किया गया ताकि दूध की आवश्यकता की पूर्ति को बनाये रखा जा सके तथा गाय की स्वदेशी नस्लों के गुणवत्ता सुधार हो सके।
- वर्तमान में फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए फॉस्फेटिक तथा पोटेशियम उर्वरकों के निर्माण के लिए कच्चा माल उपलब्ध नहीं होने के कारण इन उर्वरकों की भविष्य में पूर्ण आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए तरल उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने सहमति पर जोर दिया गया।

- सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में भारतीय नस्ल की गायों को बढ़ावा देने के लिए उनकी दुग्ध उत्पादकता को बढ़ाने के साथ नस्ल सुधार में अच्छी गाय के बछड़े को प्रजनन के उद्देश्य से पालने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने का अनुमोदन किया गया।
- प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर "स्टार फार्मर्स" को चयनित करके उनकी एक सूची केंद्र पर प्रदर्शित करने का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर एवं भरतपुर पर "बायो गैस प्लांट" लगाने का अनुमोदन किया गया जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिल सके।
- कृषि विज्ञान केंद्र, कोटपूतली पर लाल/पीली गाजर के प्रचार–प्रसार के लिए पुनः प्रयास करने के सुझाव का अनुमोदन किया गया।
- ककड़ी, काचरी के बीज केन्द्रीय शुष्क बागवानी अनुसंधान, बीकानेर से लाकर कृषि विज्ञान केंद्र पर ही इनका बीज उत्पादन करके इसकी उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास करने के सुझाव का अनुमोदन किया गया।
- नैनो यूरिया और नैनो–फास्फोरस के प्रयोग पर अनुसंधान करने के सुझाव का अनुमोदन किया गया।
- ककोड़ा एक गुणवत्तायुक्त सब्जी है जिसके बढ़ते प्रचलन को देखते हुए इसकी दक्षिणी भारत की कुछ उन्नत किस्मों के बीज की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया जाने का अनुमोदन किया गया।
- औषधीय पौधों, अंतराशस्य को बढ़ावा देने एवं वर्टिकल फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान तथा प्रसार किये जाने का अनुमोदन किया गया।

विश्वविद्यालय में कार्यरत अधिकारी

विश्वविद्यालय में वर्तमान में निम्न अधिकारी विभिन्न पदों पर कार्यरत है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वर्तमान में कार्यरत अधिकारी

क्र.सं.	पद	नाम
1.	कुलगुरू	प्रो. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान
2.	कुलसचिव	सुश्री नेहा राठी, आर.ए.एस. (अतिरिक्त प्रभार)
3.	वित्त नियंत्रक	श्री रामस्वरूप मीणा, राजस्थान लेखा शाखा
4.	निदेशक, अनुसंधान	डॉ. उम्मेद सिंह
5.	निदेशक, प्रसार शिक्षा	डॉ. आर. एन. शर्मा
6.	निदेशक, प्राथमिकता, निरीक्षण एवं मूल्यांकन	डॉ. एन. के. गुप्ता
7.	निदेशक, शिक्षा	डॉ. राकेश समोरिया
8.	निदेशक, मानव संसाधन विकास	डॉ. अमरचन्द शिवरान
9.	निदेशक, छात्र कल्याण	डॉ. के. सी. शर्मा
10.	परीक्षा नियंत्रक	डॉ. निधि कुन्डु
11.	अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	डॉ. डी. के. गोठवाल
12.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट, दौसा	डॉ. दिनेश कुमार यादव
13.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	डॉ. आर.के. मीना

14.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर)	डॉ. संजय कुमार अत्तर
15.	निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	डॉ. हरफूल सिंह
16.	विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. एल. आर. यादव
17.	भू–सम्पत्ति अधिकारी	डॉ. नवीन कुमार
18.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी, धौलपुर	डॉ. जुनैद अख्तर
19.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई, निवाई, टोंक	डॉ. आर.एस. मीना
20.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (वैर), भरतपुर	डॉ. उदयभान सिंह
21.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नौगांवा, अलवर	डॉ. सुमन खण्डेलवाल
22.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	डॉ. सुरेन्द्र सिंह मनोहर
23.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़बास, अलवर	डॉ. एम.पी. यादव
24.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी, सीकर	डॉ. एस.के. खण्डेलवाल
25.	अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	डॉ. बी.एल. जाट
26.	अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर	डॉ. डी.के. गोठवाल
27.	अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा	डॉ. एल.एन. बैरवा

विभागाध्यक्ष

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वर्तमान में कार्यरत विभागाध्यक्ष (कृषि संकाय)

क्रं.सं.	विभाग का नाम	नाम
1.	शस्य विज्ञान विभाग	डॉ. एस.एस. यादव
2.	मृदा विज्ञान विभाग	डॉ. के.के. शर्मा
3.	कीट विज्ञान विभाग	डॉ. अख्तर हुसैन
4.	पौध व्याधि विभाग	डॉ. एस. गोदिका
5.	कृषि प्रसार शिक्षा विभाग	डॉ. आई.एम. खान
6.	उद्यान विभाग	डॉ. एस.पी. सिंह
7.	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग	डॉ. डी. के. गोठवाल
8.	पादप कार्यिकी विभाग	डॉ. एम.के. शर्मा
9.	जैव रसायन विभाग	डॉ. डी.के. गोठवाल
10.	पशुधन उत्पादन एवं प्रंबधन विभाग	डॉ. डी. के. गोठवाल
11.	कृषि अर्थशास्त्र विभाग	डॉ. डी. के. गोठवाल
12.	कृषि सांख्यिकी विभाग	डॉ. किरण गौड
13.	कृषि अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. डी. के. गोठवाल
14.	सूत्रकृमि विभाग	डॉ. डी. के. गोठवाल

2. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न संवर्गों में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की संख्या

क्र. सं.	पद (संवर्ग)	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
								75:25 प्रतिशत			100 प्रतिशत					
		स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	आचार्य	9	1	8	1	1	0	2	2	0	0	0	0	12	4	8
2	सह–आचार्य	43	6	37	28	7	21	14	8	6	0	0	0	85	21	64
3	सहायक आचार्य	162	71	91	119	98	21	35	32	3	0	0	0	316	201	115
4	अधिकारी संवर्ग	4	1	3	39	11	28	1	0	1	8	5	3	52	17	35
5	मंत्रालयिक संवर्ग	78	31	47	104	50	54	0	0	0	16	14	2	198	95	103
6	तकनीकी संवर्ग	108	32	76	123	78	45	46	22	24	92	39	53	369	171	198
7	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	173	40	133	73	15	58	3	3	0	16	7	9	265	65	200
	कुल योग	**577**	**182**	**395**	**487**	**260**	**227**	**101**	**67**	**34**	**132**	**65**	**67**	**1297**	**574**	**723**

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक के स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों का विस्तृत विवरण

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक के स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों का विस्तृत विवरण																		
क.सं.	पद नाम	संवर्ग	पे लेवल	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
										75:25 प्रतिशत (AICRP)			100 प्रतिशत (केवीके)					
				स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त
1	आचार्य		एएल–14	9	1	8	1	1	0	2	2	0	0	0	0	12	4	8
2	सह–आचार्य		एएल–13ए	43	6	37	28	7	21	14	8	6	0	0	0	85	21	64
3	सहायक आचार्य		एएल–10	162	71	91	119	98	21	35	32	3	0	0	0	316	201	115
4	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष		एएल–13ए	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	5	3	8	5	3
5	एस.एम.एस.		एल–14	0		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	तकनीकी अधिकारी		एएल–10	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	1	1	0
	योग शैक्षणिक संवर्ग																	
1	कुलगुरू		210000 मय भत्ते	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
2	कुल सचिव		आर.ए.एस.	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
3	वित्त नियंत्रक		रा.ले.सेवा	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
4	निदेशक		एएल–14	1	0	1	5	0	5	0	0	0	0	0	0	6	0	6
5	अधिष्ठाता		एएल–14	1	0	1	12	0	12	0	0	0	0	0	0	13	0	13
6	भू–सम्पति अधिकारी		एल–16	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
7	परीक्षा नियंत्रक		एल–17	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
8	निजी सचिव (कुलगुरू)		एल–15	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
9	सुरक्षा अधिकारी			0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
10	पुस्तकालय अध्यक्ष		एल–10	1	0	1	11	8	3	0	0	0	0	0	0	12	8	4
11	लेखाधिकारी		एल–14	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	2	0	2
12	सहायक कुल सचिव		एल–14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
13	विधि अधिकारी			0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
14	सहायक अभियन्ता		एल–14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
15	उपनिदेशक अनंसंधान			0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
16	अधीक्षक शारीरिक शिक्षा			0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
	योग अधिकारी संवर्ग			218	78	140	187	117	70	52	42	10	8	5	3	465	243	222

(स). अशैक्षणिक मंत्रालयिक संवर्ग (शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा)

क्र. सं.	पद नाम	संवर्ग	पे लेवल	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
										75:25 प्रतिशत (AICRP)			100 प्रतिशत (केवीके)					
				स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त
1	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–1	मंत्रालयिक संवर्ग	एल–12	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	2	0	1
2	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–2		एल–11	5	1	4	7	1	6	0	0	0	0	0	0	12	2	5
3	कनिष्ठ लेखाकार		एल–10	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
4	सहायक कुलसचिव		एल–14	1	0	1	4	3	1	0	0	0	0	0	0	5	3	1
6	वरिष्ठ निजी सहायक		एल–12	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	2	1	1
7	निजी सहायक		एल–11	5	2	3	12	2	10	0	0	0	0	0	0	17	4	5
8	स्टेनोग्राफर		एल–10	0	0	0	6	6	0	0	0	0	0	0	0	6	6	0
9	स्टेनोग्राफर ग्रेड–3		एल–05	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	7	1	8	7	0
10	अनुभाग अधिकारी		एल–12	3	2	1	9	4	5	0	0	0	0	0	0	12	6	3
11	सहायक अनुभाग अधिकारी		एल–11	8	8	0	4	4	0	0	0	0	8	7	1	20	19	8
12	लिपिक ग्रेड– प्रथम		एल–08	14	10	4	23	10	13	0	0	0	0	0	0	37	20	14
13	लिपिक ग्रेड–द्वितीय		एल–05	40	7	33	36	19	17	0	0	0	0	0	0	76	26	40
	योग मंत्रालयिक संवर्ग			**78**	**31**	**47**	**104**	**50**	**54**	**0**	**0**	**0**	**16**	**14**	**2**	**198**	**95**	**78**

(द). **अशैक्षणिक तकनीकी संवर्ग (शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा)**

क.सं.	पद नाम		पे लेवल	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
										75:25 प्रतिशत (AICRP)			100 प्रतिशत (केवीके)					
				स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त
1	विषय वस्तु विशेयज्ञ		एल–14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	48	11	37	48	11	37
2	सहायक अभियता		एल–14	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	2
3	कृषि पर्यवेक्षक		एल–05	53	13	40	14	9	5	23	9	14	0	0	0	90	31	59
4	आर्टिस्ट कम फोटोग्रा.		एल–10	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	2
5	सहायक कृषि अधिकारी		एल–11	5	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	0	5
6	सहायक मैकेनिक		एल–08	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
7	डेयरी मैनेजर		एल–11	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
8	वाहन चालक		एल–05	10	3	7	3	1	2	4	3	1	16	11	5	33	18	15
9	वाहन चालक (रेक्सकों)			0	0	0	13	5	8	0	0	0	0	0	0	13	5	8
10	इलेक्ट्रीशियन		एल–05	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
11	विधि सहायक		एल–10	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
12	सूचना सहायक		एल–08	0	0	0	2	0	2	0	0	0	0	0	0	2	0	2
13	फार्म मैनेजर		एल–11	4	2	2	10	9	1	0	0	0	8	5	3	22	16	6
14	जुनियर आर्टिस्ट		एल–08	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
15	कनिष्ठ अभियंता		एल–10	0	0	0	3	0	3	0	0	0	0	0	0	3	0	3
16	प्रयोगशाला सहायक		एल–08	13	5	8	39	35	4	4	2	2	0	0	0	56	42	14
17	पुस्तकालय सहायक		एल–08	2	0	2	1	1	0	0	0	0	0	0	0	3	1	2
18	मशीन विद मैन			0	0	0	9	0	9	0	0	0	0	0	0	9	0	9
19	मैट्रन		एल–08	2	2	0	12	11	1	0	0	0	0	0	0	14	13	1
20	मिस्त्री		एल–05	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	2
21	संग्रहालय सहायक		एल–08	2	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	1
22	मुर्गीखाना पर्यवेक्षक		एल–10	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
23	पम्प ऑपरेट्रर		एल–05	1	0	1	6	2	4	0	0	0	0	0	0	7	2	5
24	स्टोर मुंशी		एल–05	2	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	1
25	वरिष्ठ तकनीकी सहायक		एल–12	0	0	0	0	0	0	3	2	1	4	1	3	7	3	4
26	प्रोग्रामर		एल–12	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
27	तकनीकी सहायक		एल–11	3	2	1	7	5	2	12	6	6	0	0	0	22	13	9
28	प्रोग्राम सहायक(कम्प्यूटर)		एल–11	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	4	4	8	4	4
29	प्रोग्राम सहायक (लेब.टेक्नीशियन.)		एल–11	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	7	1	8	7	1
30	वेटेनरी कम्पाउंडर		एल–08	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
31	इंस्ट्रेक्टर शारीरिक		एल–10	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1
	योग तकनीकी सवंर्ग			**108**	**32**	**76**	**123**	**78**	**45**	**46**	**22**	**24**	**92**	**39**	**53**	**369**	**171**	**198**
32	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी		एल–1	173	40	133	73	15	58	3	3	0	16	7	9	265	65	200
	कुल योग			**359**	**103**	**256**	**300**	**143**	**157**	**49**	**25**	**24**	**124**	**60**	**64**	**832**	**331**	**501**

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न इकाईयों में सवंर्गों में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की संख्या

क.सं	संस्थान	पद का नाम	गैर आयोजना			राज्य आयोजना			आयोजना (आइ.सी.ए.आर.)					
									75:25 प्रतिशत			100 प्रतिशत		
			स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	शैक्षणिक / अधिकारी	87	45	42	1	0	1	9	8	1	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	166	41	125	0	0	0	11	5	6	0	0	0
2	कृषि महाविद्यालय, लालसोट	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	16	6	10	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	30	15	15	0	0	0	0	0	0
3	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर शेखावाटी	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	17	7	10	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	29	10	19	0	0	0	0	0	0
4	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर, भरतपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	13	1	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	16	12	4	0	0	0	0	0	0
5	कृषि महाविद्यालय, नौगांवा–अलवर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	12	2	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	15	12	3	0	0	0	0	0	0
6	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी–धोलपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	11	3	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	14	7	7	0	0	0	0	0	0
7	कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली–जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	13	1	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	14	8	6	0	0	0	0	0	0
8	कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास–अलवर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	7	7	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	13	6	7	0	0	0	0	0	0
9	कृषि महाविद्यालय, भुसावर (वैर) भरतपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	11	3	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	7	10	0	0	0	0	0	0
10	कृषि महाविद्यालय, झिलाई–निवाई–टोंक	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	13	1	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	8	9	0	0	0	0	0	0
11	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी–नीमकाथाना	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	14	14	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	10	7	0	0	0	0	0	0
12	डेयरी एवं प्रोद्योगकी महाविद्यालय,जोबनेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	12	6	6	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	8	9	0	0	0	0	0	0
13	उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा–जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	13	0	13	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	17	7	10	0	0	0	0	0	0
14	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	62	12	50	0	0	0	39	33	6	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	86	24	62	0	0	0	34	14	20	0	0	0
15	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	28	11	17	0	0	0	3	1	2	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	19	8	11	0	0	0	3	1	2	0	0	0

16	कृषि अनुसंधान केन्द्र, नौगांवा	शैक्षणिक / अधिकारी	20	5	15	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	29	12	17	0	0	0	0	0	0	0	0	0
17	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, डिग्गी	शैक्षणिक / अधिकारी	8	1	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	9	1	8	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, तबीजी	शैक्षणिक / अधिकारी	3	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	8	2	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0
19	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, कोटपूतली	शैक्षणिक / अधिकारी	2	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	6	2	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0
20	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, कुम्हेर	शैक्षणिक / अधिकारी	7	2	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	8	3	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0
21	कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	5	10
22	कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	8	7
23	कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
24	कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांवा (अलवर)	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	10	5
25	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर शेखावाटी	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	8	7
26	कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेडा (कोटपूतली)	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	8	7
27	कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	9	6
28	कृषि विज्ञान अरनिया (सीकर)	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	3	12
29	प्रशासनिक कार्यालय, श्रीकनकृविवि. जोबनेर।	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	16	8	8	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	79	33	46	0	0	0	0	0	0
30	कोष कार्यालय, श्रीकनकृविवि. जोबनेर।	शैक्षणिक / अधिकारी	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	17	8	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0
31	भू–सम्पति कार्यालय श्रीकनकृविवि. जोबनेर।	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	11	1	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0
32	आई. एफ. एस. (ई.सी.एफ.) स्कीम, कुम्हेर–भरतपुर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	0	0	0	5	5	0	0	0	0
33	प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्रीकनकृविवि., जोबनेर	शैक्षणिक / अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0

34	विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय, जोबनेर	शैक्षणिक/अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0
35	विश्वविद्यालय केन्द्रीय पूल कार्यालय, जोबनेर	शैक्षणिक/अधिकारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		गैर–शैक्षणिक	0	0	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0
	योग	शैक्षणिक/अधिकारी	218	78	140	187	118	69	52	42	10	8	5	3
	योग	गैर–शैक्षणिक	359	102	257	300	148	152	53	25	28	120	56	64
		कुल योग	577	180	397	487	266	221	105	67	38	128	61	67

विभिन्न वर्गो के कर्मचारियों की संख्याः–

क्र. सं.	वर्ग	अधिकारी/शैक्षिकवर्ग 2024–2025		गैर–शैक्षिकवर्ग 2024–2025		अधिकारी/शैक्षिकवर्ग 2025–2026		गैर–शैक्षिकवर्ग 2025–2026	
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
01.	सामान्य	94	36	125	42	76	31	112	45
02.	अनुसूचित जाति	36	5	35	12	34	5	33	10
03.	अनुसूचित जनजाति	26	1	22	7	26	1	21	7
04.	अन्य पिछड़ा वर्ग	42	8	56	19	41	8	53	18
05.	विशेष पिछड़ा वर्ग	1	0	0	1	1	0	5	1
06.	अल्प आय वर्ग	5	1	11	4	5	1	10	5
07.	विकलांग	5	2	7	2	5	2	6	2
08.	अल्पसंख्यक	7	0	3	0	7	0	3	0
	कुल	216	53	259	87	195	48	243	88

3. बजट मद

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2025 तक)

क्र.सं.	विवरण	प्राप्त राशि 2025–26 (रूपये लाख)	व्यय राशि 2025–26 (रूपये लाख)
1.	राज्य आयोजना + गैर आयोजना	5406.55	5406.55
2.	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई)	263.46	24.90
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र	550.70	434.45
4.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (75% : 25%)	1046.62	806.57
5.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (100%)	31.11	16.40
6.	उच्च कृषि शिक्षा का सुदृढ़ीकरण एवं विकास (आई.सी.ए.आर)	0.00	0.00
7.	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार (एम.ए.जी)	25.12	17.60
8.	निजी वित्त पोषित परियोजनाएं (PVT)	110.78	40.50
9.	अन्य केन्द्र प्रायोजित परियोजनाएं (ओ.सी.एस) /CSA	48.25	21.77
10	कुल	**7482.59**	**6768.74**

वर्ष 2025–26 की अप्रयुक्त राशि का पुनः अनुमोदन भी व्यय में शामिल हैं।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना का वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2025 तक)

क्र. सँ.	बजट मद	परियोजना का नाम	स्थान	प्राप्त राशि (रू लाखों में) 75% ICAR	व्यय राशि (रू लाखों में) 75% ICAR
1.	7-T(95)	अखिल भारतीय समन्वित गेंहूं एवं जौ अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	97.31	80.11
2.	7-T(29)	अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	148.49	124.73
3.	7-T(27)	अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	76.25	61.69

4.	7-T(30)	अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	85.58	90.74
5.	7-T(94)	अखिल भारतीय कीटनाशक अवशेष नेर्टवक अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	18.53	29.24
6.	7-T(79)	अखिल भारतीय समन्वित तारामीरा अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	27.91	13.01
7.	7-T(05)	अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	64.30	51.94
8.	7-T(60-A)	अखिल भारतीय समन्वित बीज प्रौद्यौगिक अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	89.00	57.91
9.	7-T(14)	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्रीय फल अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	157.04	77.44
10.	7-T(43)	अखिल भारतीय समन्वित मूंग, उड़द, मसूर, अरहर, राजमा व मटर अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	60.25	47.58
11.	7-T(41)	अखिल भारतीय समन्वित एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना,	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	59.61	51.92
12.	7-T(40)	अखिल भारतीय सफेद लट और मृदा आर्थोपोड़ नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	56.50	40.36
13.	7-T(91)	अखिल भारतीय समन्वित कृषि वानिकी अनुसंधान परियोजना	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर, शेखावाटी	20.01	15.40
14.	7-T(13)	अखिल भारतीय शुष्क दलहन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	56.00	51.38
15.	7-T(2)	अखिल भारतीय सूत्रकृमि अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	2.09	0.85
16.	7-T(76)	अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	27.75	12.27

वर्ष 2025–26 की अप्रयुक्त राशि का पुनः अनुमोदन भी व्यय में शामिल हैं।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्राप्त व व्यय राशि का विवरण

कृषि विज्ञान केन्द्र

क.सँ.	वित्तीय वर्ष 2025.26 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2025 तक)	प्राप्त राशि (रूपये लाख)	व्यय राशि (रूपये लाख)
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	68.47	66.10
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	56.82	42.67
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	63.66	50.11
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	127.16	93.65
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	49.73	33.17
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	73.10	45.93
7.	कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	35.31	35.25
8.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया	49.44	54.76
	कुल	523.69	421.64
9	प्रसार शिक्षा निदेशालय	1.39	0.05
	योग	525.08	421.69
अन्य			
10	एन.आई.सी.आर.ए	17.20	4.93
11	डी.ए.एम.यू., धौलपुर	5.13	5.13
12	ए.आर.वाई.ए., अलवर	3.29	2.70
13	किसान मेला	0.00	0.00
14	अन्य	0.00	0.00
	योग	25.62	12.76
	कुल योग	550.70	434.45

4. प्रमुख सिविल कार्य एवं प्रगति

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख सिविल कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगतिः

बजट मद – राज्य आयोजना

क्र. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2025 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	स्वीकृत राशि 2024–25	स्वीकृत राशि 2025–26	कुल स्वीकृत राशि	
1	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर							
A	आसलपुर फार्म पर चार दिवारी का निर्माण का कार्य	36.00	66.00	30.00	0.00	0.00	132.00	132.00
B	आवासीय भवनों की मरम्मत का कार्य	15.00	40.00	60.00	30.00	0.00	145.00	145.00
C	विरासत भवन (बाल मन्दिर) के जिर्णोद्धार का कार्य	50.00	25.00	0.00	0.00	0.00	75.00	75.00
D	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के भाभा छात्रावास के मरम्मत का कार्य	0.00	0.00	0.00	100.00	0.00	100.00	86.00
E	श्री क.न.कृ.वि.वि. जोबनेर के मुण्डोता फार्म पर चार दिवारी के निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	100.00	0.00	100.00	27.00
F	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के विभागीय भवनो के मरम्मत का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	50.00	50.00	0.00
G	श्री क.न.कृ.वि.वि. जोबनेर के प्रशासनिक भवन के ब्लॉक–बी के निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	500.00	500.00	0.00
2	कृषि महाविद्यालय, भरतपुर							
A	चार दिवारी का निर्माण कार्य	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	15.00
B	हॉस्टल वार्डन के आवासीय भवन का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	250.00	0.00	250.00	136.45
C	कृषि महाविद्यालय, भरतपुर के छात्र छात्रावास का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	29.00	0.00	29.00	7.32
3	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर							
A	हॉस्टल वार्डन के आवासीय भवन का निर्माण कार्य	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	15.00
B	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर के छात्र छात्रावास का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	250.00	0.00	250.00	136.45

C	कृषि अनुसंधान संस्थान फतेहपुर अतिथि आवास गृह के मरम्मत कार्य	0.00	0.00	0.00	29.00	0.00	29.00	7.32
D	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर के छात्र एवं कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	493.00	0.00	493.00	73.95
4	कृषि महाविद्यालय, लालसोट							
A	चार दिवारी निर्माण का कार्य	80.00	0.00	0.00	0.00	0.00	80.00	80.00
B	एकादमिक ब्लोक–II एवं केंटीन का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	468.05	0.00	468.05	290.00
5	कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता	0.00	0.00	1419.82	132.16	0.00	1551.98	1112.97
B	हॉस्टल वार्डन के आवासीय भवन का निर्माण कार्य	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	15.00
C	आवासीय भवनों की मरम्मत का कार्य	0.00	0.00	0.00	71.00	0.00	71.00	21.52
D	कृषि महाविद्यालय नौगांव में चार दिवारी का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	200.00	0.00	200.00	141.64
E	भूमि समतलीकरण का कार्य	0.00	0.00	0.00	18.00	10.00	28.00	16.00
F	सीड स्टोर, इम्पिलिमेन्ट शेड, थ्रसिंग फ्लोर निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	30.00	0.00
6	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ बास़, अलवर							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	0.00	0.00	1419.82	135.11	0.00	1554.93	1462.97
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	160.00	0.00	0.00	0.00	0.00	160.00	80.50
C	भूमि समतलीकरण का कार्य	0.00	0.00	0.00	22.00	6.00	28.00	22.00
7	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी़, धौलपुर							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	0.00	0.00	1420.00	171.49	0.00	1591.49	1503.00
B	भूमि समतलीकरण का कार्य	0.00	0.00	0.00	22.00	10.00	32.00	22.00
C	सीड स्टोर, इम्पिलिमेन्ट शेड, थ्रसिंग फ्लोर निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	30.00	0.00
8	कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली़, जयपुर							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	0.00	0.00	1420.00	140.86	0.00	1560.86	1510.00

B	भूमि समतलीकरण का कार्य	0.00	0.00	0.00	22.00	10.00	32.00	22.00
C	सीड स्टोर, इम्पिलिमेन्ट शेड, थ्रसिंग फ्लोर निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	30.00	0.00
9	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी सीकर							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	0.00	0.00	1420.00	0.00	0.00	1420.00	1242.00
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	0.00	180.00	0.00	0.00	0.00	180.00	74.00
C	भूमि समतलीकरण का कार्य	0.00	0.00	0.00	35.00	0.00	35.00	35.00
D	नल कूप निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	12.00	12.00	0.00
10	कृषि महाविद्यालय, भुसावर, भरतपुर							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	0.00	1419.91	0.00	0.00	0.00	1419.91	1292.00
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	220.00	0.00	0.00	0.00	0.00	220.00	169.50
C	भूमि समतलीकरण का कार्य	0.00	0.00	0.00	22.00	8.00	30.00	22.00
D	सीड स्टोर, इम्पिलिमेन्ट शेड, थ्रसिंग फ्लोर निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	30.00	0.00
11	कृषि महाविद्यालय, झिलाई, टोंक							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	0.00	0.00	1419.99	0.00	0.00	1419.99	1042.00
B	चार दिवारी निर्माण का कार्य	0.00	150.00	0.00	0.00	0.00	150.00	115.00
C	भूमि समतलीकरण का कार्य	0.00	0.00	0.00	14.00	6.00	20.00	14.00
12	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र–छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	0.00	0.00	1420.00	0.00	0.00	1420.00	1322.00
B	कन्या छात्रावास के प्रथम तल का निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	161.94	0.00	161.94	0.00
C	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर, जयपुर में चार दिवारी का निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	50.00	0.00	50.00	50.00
13	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा							
A	उद्यान विज्ञान महाविद्यालय के कन्या छात्रावास का निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	250.00	250.00	37.50
B	उद्यान विज्ञान महाविद्यालय Sports Complex का निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	50.00	50.00	0.00
C	उद्यान विज्ञान महाविद्यालय के कन्या एवं छात्र–छात्रावास निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	500.00	500.00	0.00

D	रारी दुर्गापुरा में 20 आवासीय भवनो का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	500.00	500.00	0.00
E	रारी दुर्गापुरा में चार दिवारी के रिनोवेशन का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	50.00	50.00	0.00
F	उद्यान विज्ञान महाविद्यालय भवन के रिनोवेशन का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	300.00	300.00	0.00
G	अतिथी ग्रह के प्रथम तल का निर्माण का कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	50.00	50.00	0.00
	कुल	**606.00**	**1933.91**	**10029.63**	**3037.61**	**2432.00**	**18039.15**	**12578.56**

बजट मद – राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

क.सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2025 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	स्वीकृत राशि 2024–25	स्वीकृत राशि 2025–26	कुल स्वीकृत राशि	
1	Shade for formulation preparation furniture etc. Under RKVY-31	15.00	–	–	–	–	15.00	15.00
2	Iron sheet Cabin/Room for automation unit under RKVY-30	5.00	–	–	–	–	5.00	5.00
3	Seed storage under RKVY-30	20.00	–	–	–	–	20.00	20.00
4	Construction of Approach Road, Retaining wall, farm store, vermi compost unit & Land Levelling work at COA, Lalsot under RKVY-33	145.00	–	–	–	–	145.00	65.50
5	Renovation of Work Shop under RKVY-35 at SKNCOA, Jobner	–	–	–	20.00	–	20.00	5.00
6	Establishment of Seed processing and storage unit under RKVY-1 at RARI, Durgapura.	0.00	0.00	0.00	0.00	3.17	3.17	3.17
7	**Implement Shed Under RKVY-41.**							
A	COA, Kotputli	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
B	COA, Fatehpur	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
C	COA, Lalsot	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
D	COA, Peethampuri	0.00	0.00	0.00	0.00	0.40	0.40	0.00

8	**Threshing Floor Under RKVY-41.**							
A	COA, Kotputli	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
B	COA, Lalsot	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
9	**Seed Storage Under RKVY-41.**							
A	COA, Kotputli	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
B	COA, Fatehpur	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
C	COA, Lalsot	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
10	**Land Levelling Under RKVY-41.**							
A	COA, Peethampuri	0.00	0.00	0.00	0.00	20.00	20.00	0.00
11	Covered Threshing floor at RARI, Durgapura.	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	10.00	0.00
	कुल	**185.00**	**0.00**	**0.00**	**20.00**	**113.57**	**318.57**	**199.15**

बजट मद – भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद (उच्च कृषि शिक्षा के सुदृढ़ीकरण एवं विकास)

क. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2025 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	स्वीकृत राशि 2024–25	स्वीकृत राशि 2025–26	कुल स्वीकृत राशि	
1	कृषि अनुसंधान उप–संस्थान, तबीजी, अजमेर में सीड गोदाम का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	10.00	10.00
2	कृषि अनुसंधान उप–संस्थान, तबीजी, अजमेर में ड्राईंग प्लेटफार्म का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	10.00	10.00
3	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में सीड स्टोरेज का निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	0.00	35.00	35.00	35.00
	Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**20.00**	**35.00**	**55.00**	**55.00**

बजट मद – अन्य

क. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2024 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2021–22	स्वीकृत राशि 2022–23	स्वीकृत राशि 2023–24	स्वीकृत राशि 2024–25	स्वीकृत राशि 2025–26	कुल स्वीकृत राशि	
1	7–CSA–148 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान, नवगांव, अलवर में प्रशिक्षण हॉल का निर्माण कार्य	24.00	30.19	0.00	0.00	0.00	54.19	54.19
2	7–CSA–148 के तहत के.वी. के. नवगांव, अलवर में प्रशिक्षण हॉल का निर्माण कार्य	24.00	28.08	0.00	0.00	0.00	52.08	52.08

3	7–CSA–148 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान, नवगांव, अलवर में किसान छात्रावास का निर्माण कार्य	16.50	21.99	0.00	0.00	0.00	38.49	38.49
4	7–CSA–148 के तहत के.वी.के. नवगांव, अलवर में एग्री मशीनरी बैंक के लिए शेड का निर्माण कार्य	0.00	20.00	0.00	0.00	0.00	20.00	20.00
5	8–07–KVK, Kotputli के तहत के.वी.के. कोटपुतली मे किसान प्रशिक्षण हॉस्टल का निर्माण कार्य	23.00	41.50	27.00	0.00	0.00	91.50	91.50
6	8–09–KVK, Arnia के तहत के.वी.के. अर्निया में किसान प्रशिक्षण हॉस्टल का निर्माण कार्य	20.00	41.50	30.00	0.00	0.00	91.50	91.50
7	8–09–KVK, Arnia के तहत के.वी.के. अर्निया में प्रशासनिक भवन का निर्माण का कार्य	33.00	18.00	81.83	32.00	0.00	164.83	164.83
8	विश्वविद्यालय आय							
A	Chain Link Fencing at KVK, Kotputli.	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	45.00	45.00
B	Boundary wall at ARSS, Kotputli.	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	15.00	15.00
C	Construction of Seed Storage at ARSS, Kotputli.	0.00	0.00	0.00	0.00	20.00	20.00	20.00
9	**N.U.F.**							
A	Roof Water Proofing work at RARI, Durgapura.	0.00	0.00	0.00	0.00	22.66	22.66	22.66
B	Renovation of Parking Shed at COA, Bharatpur.	0.00	0.00	0.00	0.00	4.97	4.97	0.00
10	Construction of Fooder Storage at SKNCOA, Jobner under NAHEP Project.	0.00	0.00	0.00	0.00	16.00	16.00	12.00
	कुल	**140.50**	**201.26**	**138.83**	**32.00**	**123.63**	**636.22**	**627.25**

5. कृषि शिक्षा

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक 14 महाविद्यालय हैं, जिसमें से 11 कृषि महाविद्यालय जोबनेर, लालसोट (दौसा), कुम्हेर (भरतपुर), फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर), नवगांव (अलवर), कोटपुतली, बसेड़ी (धौलपुर), किशनगढबास, (अलवर), भुसावर (भरतपुर), झिलाई–निवाई–(टोंक), पीथमपुरी–नीम का थाना (सीकर) में स्थित हैं। इसके अलावा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, जोबनेर, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर–जयपुर एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर में स्थित हैं। विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में चौदह संघटक महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 1001 सीटों पर प्रवेश दिया गया है। स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय फतेहपुर–शेखावाटी (सीकर) व राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 117 सीटों व विद्यावाचस्पति में 65 सीटों पर प्रवेश दिया गया है। इस प्रकार संघटक महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम में 3099, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 108 व विद्यावाचस्पति में 53 छात्र अध्ययनरत है। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में कुल अध्ययनरत छात्रों की संख्या 6108 है। इस कृषि विश्वविद्यालय से 17 राजकीय कृषि महाविद्यालय भी संबंद्ध हैं जिसमें कुल अध्यनरत छात्रों की संख्या 3184 है। साथ ही 10 निजी कृषि महाविद्यालय भी इस कृषि विश्वविद्यालय से संबंद्ध हैं जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या 2270 है। कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश छात्रों का राज्य स्तरीय सयुंक्त प्रवेश परीक्षा (JET) के द्वारा दिया जाता है जिसका आयोजन राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बारी–बारी से करवाते हैं। विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धियां निम्न तालिकाओं में दर्शायी गई हैं।

1. विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में बी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि में अध्यनरत विद्यार्थियों की संख्या (शैक्षणिक सत्र 2025–26)

क्र. सं.	महाविद्यालय का नाम	पाठ्यक्रम का वर्ष					कुल
		I*	II	III	IV	V	
1.	विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय	1001	894	619	584	01	**3099**
2.	विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय						
अ.	राजकीय कृषि महाविद्यालय	968	944	758	514	–	**3184**
ब.	निजी कृषि महाविद्यालय	539	539	457	735	–	**2270**
	योग (2)	**1507**	**1483**	**1215**	**1249**		**5454**
	कुल योग (1+2)	**2508**	**2377**	**1834**	**1833**	**01**	**8553**

* प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

2. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम में विभिन्न विभागों में कुल स्वीकृत सीट व अध्यनरत छात्रों की संख्या (शैक्षणिक सत्र 2025–26)

क्र. स.	विभाग का नाम	स्वीकृतसीट वर्ष 2024–25		अध्ययनरत विधार्थी वर्ष 2024–25		स्वीकृतसीट वर्ष 2025–26		अध्ययनरत विधार्थी वर्ष 2025–26	
		स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति
1.	शस्य विज्ञान	17	09	33	21	17	12	16	8
2.	पादप प्रजनन व आनुंवाशिकी	15	09	27	21	15	9	14	6
3.	उद्यान विज्ञान	15	09	28	19	17	11	14	8
4.	प्रसार शिक्षा	08	02	15	6	8	4	7	4
5.	कृषि अर्थशास्त्र	07	02	12	5	4	2	4	2
6.	मृदा विज्ञान	12	02	19	9	15	6	15	6
7.	पदप रोग विज्ञान	11	09	22	20	14	9	14	9
8.	कीट विज्ञान	11	09	19	19	11	9	10	9
9.	पादप कार्यिकी विज्ञान	05	—	5	—	5	3	4	1
10.	पशुधन उत्पादन व प्रबंधन	03	—	2	—	3	0	3	0
11	निमेटोलोजी	03	—	4	—	3	0	2	0
12	कृषि सांख्यिकी	03	—	2	—	03	0	03	0
13	जैव रसायन	—	—	—	—	2	0	2	0
	योग	**110**	**51**	**188**	**120**	**117**	**65**	**108**	**53**

3. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न पाठयक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की वर्गवार संख्या

वर्ग	शैक्षणिक सत्र 2024–25			शैक्षणिक सत्र 2025–26		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
सामान्य	319	276	595	184	100	284
अनुसूचित जाति	307	137	444	635	231	866
अनुसूचित जनजाति	179	100	279	546	241	787
अन्य पिछड़ा वर्ग	934	730	1684	2057	1120	3174
विषेष पिछड़ा वर्ग	93	41	134	321	98	419
विकलांग	30	06	36	34	06	40
अल्पसंख्यक	40	22	62	20	03	23
आर्थिक पिछडा वर्ग	34	14	48	378	134	512
सैनिक कोटा	37	28	65	—	—	—
कुल	1973	1354	3327	4175	1933	6108

कुल छात्रों में महिला छात्रों का अनुपात 2024–25 में 40.70% एवं 2025–26 में 31.65% है।

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में स्थित छात्रावास व उनकी क्षमता

क्र.स.	छात्रावास का नाम	कमरों की संख्या	क्षमता	वर्ष 2025–26 में रहने वाले छात्रों की संख्या
अ	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर			
1.	रमन छात्रावास	48	96	51
2.	भाभा छात्रावास	105	105	100
3.	पाल छात्रावास	78	78	47
4.	अरविंदो छात्रावास	88	88	56
5.	बालिका छात्रावास	75	117	117
6.	नया बालिका छात्रावास	98	212	154
	कुल	**492**	**696**	**525**
ब	कृषि महाविद्यालय, लालसोट			
7.	अरावली छात्रावास	32	64	00
8.	विध्यांचल छात्रावास	14	28	18
9.	बालिका छात्रावास	19	38	20
	कुल	**65**	**130**	**38**
स	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर			
10.	बालिका छात्रावास	22	44	113
11.	गेस्टहाउस (छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था)	12	43	00
	कुल	**34**	**87**	113
द	कृषि महाविद्यालय, भरतपुर			
12.	बालिका छात्रावास	12	35	35
	कुल	12	35	35
य	रा.कृ.अ.सं., दुर्गापुरा, जयपुर			
13.	रारी बालिका छात्रावास	10	14	14
14.	डॉक्टर बालिका छात्रावास	5	10	10
	कुल	15	24	24

र	कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली			
15.	बालिका छात्रावास	32	64	40
16.	बालक छात्रावास	32	64	17
	कुल	64	128	57
ल	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी, धौलपुर			
17.	बालक छात्रावास	32	64	54
18.	बालिका छात्रावास	32	64	20
	कुल	64	128	74
व	कृषि महाविद्यालय किशनगढ़बास, खैरथल, तिजारा			
19.	बालिका छात्रावास	32	64	43
20.	बालक छात्रावास	32	64	44
	कुल	64	128	87
च	कृषि महाविद्यालय भुसावर			
21.	बालक छात्रावास	32	64	00
22.	बालिका छात्रावास	32	64	00
	कुल	**64**	128	**00**
छ	कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)			
23.	बालिका छात्रावास	32	64	00
	कुल	32	64	00
ज	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर			
24.	बालक छात्रावास	32	64	22
	कुल	32	64	22

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक महाविद्यालयों में छात्रवृतियां 2024–25 व 2025–26

क्रं स.		शैक्षणिक सत्र 2024–25				शैक्षणिक सत्र 2025–26*			
		स्नातक	स्नातकोत्तर	विद्यावाचस्पति	कुल	स्नातक	स्नातकोत्तर	विद्यावाचस्पति	कुल
1	कृषि विभाग छात्राओं को प्रोत्साहन राशि	1046	64	36	1146	525	86	38	649
2	समाज कल्याण विभाग	129	–	–	129	41	–	–	41
3	विशेष पिछड़ा वर्ग	–	–	–	–	–	–	–	–
4	आई. सी. ए. आर. – जे. आर. एफ. /एस. आर. एफ.	57	–	–	**57**	–	–	–	–
5	मेरिट स्कोलषिप	10	11	06	**27**	–	–	–	–
6	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (ICAR)	10	–	–	**10**	–	–	–	–
7	एन. टी. एस. (ICAR)	–	–	–	–	–	–	–	–
8	धानुका	–	–	–	–	–	–	–	–
9	पीएम फैलोशिप	1	–	–	**1**	–	–	–	–
10	काटेवा एग्री साईन्स	1	–	–	**1**	–	–	–	–
11	कालीबाई भील स्कूटी योजना	2	–	–	**2**	–	–	–	–
12	सी.एम. उच्च शिक्षा छात्रवृति	1	–	–	**1**	–	–	–	–
13	उत्तर मैट्रिक छात्रवृति	56	–	–	56	–	–	–	–
14	डी.बी.टी.	2	–	–	**2**	–	–	–	–
	कुल	1315	75	42	1432	566	86	38	690

उपलब्धियां

1. **विश्वविद्यालय के सप्तम् दीक्षांत समारोह का आयोजनः–** श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का सातवां दीक्षांत समारोह 05 मार्च, 2025 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, (श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर) दुर्गापुरा, जयपुर में कुलाधिपति और राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। दीक्षांत अतिथि डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उपमहानिदेशक (शिक्षा) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह शामिल हुए। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर और इसके संबद्ध कॉलेजों के कुल 1517 छात्रों को डिग्रीयां प्रदान की गई जिसमें विद्यावाचस्पति के 47 छात्रों, स्नाकोत्तर के 49 छात्रों और स्नातक (ऑनर्स) कृषि के 1410 एवं एमबीए (एबीएम) के 11 छात्रों को डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस समारोह में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को कुल 11 स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए।
2. **परीक्षा परिणाम –** इस अवधि में प्रथम सेमेस्टर में कुल 7848 विद्यार्थी पंजीकृत थे। परीक्षा परिणाम के आधार पर कुल 5341 विद्यार्थी उर्तीण हुए। इसी प्रकार द्वितीय सेमेस्टर में कुल 7741 विद्यार्थी पंजीकृत थे। परीक्षा परिणाम के आधार पर कुल 5646 विद्यार्थियों को उर्तीण घोषित किया गया।

3. **डिजिलॉकर** – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विष्वविद्यालय, जोबनेर के शैक्षणिक सत्र 2021, 2022, 2023 और 2024 के स्नातक (UG), स्नातकोत्तर (PG) और विद्यावास्पति डिग्रियों को 4721 राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) के साथ मिलकर Digi Locker पर अपलोड किया गया है।

4. श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में दिनांक 13 जून 2025 को मनोज कुमार शर्मा (2025) द्वारा विकसित एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल तकनीकों के उपयोग से एक्सपेरिमेंटल डिज़ाइन एवं रिस्पॉन्स सरफेस मॉडलिंग के अनुकूलन हेतु प्रणाली का इंडियन पेटेंट ऑफिस में सफलतापूर्वक प्रकाशन हुआ (पेटेंट संख्या 24/2025; आवेदन संख्या 202511052599), जो उन्नत अनुसंधान एवं नवाचार को दर्शाता है।

5. श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में दिनांक 3 जुलाई 2025 को डॉ. मनोज कुमार शर्मा एवं सहयोगियों द्वारा विकसित टैबलेट बॉक्स डिज़ाइन को भारतीय डिज़ाइन पंजीकरण संख्या 464467–001 के अंतर्गत डिज़ाइन एक्ट, 2000 एवं डिज़ाइन रूल्स, 2001 के तहत क्लास 09–00 (सब–क्लास 09–03) में पंजीकृत किया गया।

6. श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में कृषि शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में कृषि जैव रसायन विषय में एम.एससी. (कृषि जैव रसायन) डिग्री कार्यक्रम को पुनः आरंभ किया गया, जिसमें 2 छात्रों की प्रवेश क्षमता निर्धारित की गई है।

महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियां

1. दिनांक 30 मार्च 2025 को कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–सीकर में बालक छात्रावास के निर्माण कार्य का शिलान्यास माननीय कुलगुरू प्रो. बलराज सिंह एवं माननीय विधायक, फतेहपुर श्री हकम अली द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
2. कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–सीकर में स्नातकोत्तर स्तर के बालक छात्रावास के निर्माण हेतु शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय कुलगुरू प्रो. बलराज सिंह एवं माननीय विधायक, फतेहपुर श्री हकम अली की गरिमामयी उपस्थिति रही।
3. कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–सीकर में स्नातकोत्तर बालिका छात्रावास के निर्माण कार्य का शिलान्यास माननीय कुलगुरू प्रो. बलराज सिंह एवं माननीय विधायक, फतेहपुर श्री हकम अली द्वारा किया गया, जिससे छात्राओं हेतु आवासीय सुविधाओं के विस्तार को बल मिला।
4. दिनांक 17 अगस्त 2025 को कृषि महाविद्यालय, नौगांव–अलवर के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ब्लॉक का उद्घाटन भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलगुरू प्रो. बलराज सिंह (एसकेएनएयू, जोबनेर) तथा रामगढ़ (अलवर) के माननीय विधायक श्री सुखवंत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।
5. हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत दिनांक 27 जुलाई 2025 को जिला प्रशासन एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एग्रीकल्चर कॉलेज, कोटपुतली में द्वितीय जिला स्तरीय वन महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंत्री–प्रभारी श्री विजय सिंह चौधरी, कोटपुतली विधायक श्री हंसराज पटेल, विराटनगर विधायक श्री कुलदीप धनकड़, बांसुर विधायक श्री देवी सिंह शेखावत, जिला कलेक्टर श्रीमती प्रियंका गोस्वामी (कोटपुतली–बहरोड़) सहित ADM कोटपुतली, SDM पाओटा एवं कोटपुतली, AFO (अलवर), तथा कोटपुतली, पाओटा एवं विराटनगर के रेंजर्स एवं विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।
6. दिनांक 05 अगस्त 2025 को महाविद्यालय का स्थापना दिवस एवं प्रथम वार्षिक समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कोटपुतली विधायक प्रतिनिधि श्रीमती राधा पटेल रहीं। इस अवसर पर डीन डॉ. सुरेंद्र सिंह द्वारा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह–शैक्षणिक उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। समारोह के अंतर्गत कबड्डी, वॉलीबॉल, दौड़ एवं रंगोली जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
7. राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (ASRB) नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा 2024–25 में विश्वविद्यालय के 33 विद्यार्थियों ने कृषि के विभिन्न विषयों में सफलता हासिल कि है।

6. केन्द्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना 2013 में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के पुस्तकालय में की गई। इस पुस्तकालय का मौजूदा क्षेत्रफल लगभग 14000 वर्ग फुट है। सभी शिक्षकों एवं छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण और समर्पित सेवाएं प्रदान करता है। विश्वविद्यालय का प्राथमिक मिशन शिक्षकों, वैज्ञानिकों, छात्रों, शोधकर्ताओं, किसानों, प्रशिक्षुओं, कृषि अधिकारियों और श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाइयों के अन्य उपयोगकर्ताओं को डिजिटल सूचना संसाधनों का अधिकतम उपयोग करके शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करना है। इस पुस्तकालय का दृष्टिकोण विश्वविद्यालय के सभी संघटक कॉलेजों, संस्थानों और अन्य इकाइयों के लिए डिजिटल संसाधन केन्द्र बनाना है। पुस्तकालय का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षण अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रमों के साथ–साथ पारंपरिक दस्तावेजो के व्यापक संग्रह एवं डिजिटल शिक्षण वातावरण का निर्माण करना है। पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली डिजिटल सेवाओं में आर.एफ. आई.डी प्रणाली से सुसज्जित आधुनिक आई.सी.टी बुनियादी सुविधाएं शामिल है। पुस्तकालय में सी.सी.टी.वी, यू.पी.एस, ए.सी, फोटो कॉपी मशीन, प्रिंटर, कम्प्यूटर की सुविधा व पुस्तकालय परिसर और छात्रावास में 24x7 घंटे हाई–स्पीड वाई–फाई इंटरनेट, लैपटॉप जोन सुविधा के साथ इंटरनेट सर्फिंग की सुविधा है। ऑनलाइन ओपेक (वेब–ओपेक, आई.सी.ए.आर ऑनलाइन जर्नल और ऑनलाइन थीसीस, लाइफटाइम ई–बुक्स एक्सेस और डिजिटल डेटाबेस) सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में कृषि और संबद्ध विज्ञान की 54381 पुस्तकों का संग्रह है जिसमें पुस्तकें, थीसीस, बाउंड जर्नल, सरकारी प्रकाशन, बुक बैंक पाठ्य–पुस्तके और सीडी –रोम आदि शामिल हैं।

केन्द्रीय पुस्तकालय में ''एक–राष्ट्र एक–सदस्यता'' के तहत् सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली, गांधी नगर, गुजरात द्वारा विश्वविद्यालय के पाठकों को लगभग 13000 से अधिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाएं एवं पुस्तकें ई–संसाधन के रूप में पुस्तकालय द्वारा पाठकों को सेवाएं दी जा रही हैं। साथ ही अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम के 7 समाचार पत्रों और 18 पत्रिकाओं की भी सदस्यता है। इसके अलावा परिसर में 53 ई–बुक्स (लाइफटाइम एक्सेस), ई–जर्नल्स् (आई.सी.ए.आर एक्सेस) और आई.सी.ए.आर ई–जर्नल्स् की 24x7 घंटे की ऑनलाइन एक्सेस सुविधा भी उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय के सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए पठन सामग्री के चयन करने और परामर्श के लिए एक कम्प्यूटरीकृत बुक–बैंक की सुविधा भी उपलब्ध है जो विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों को प्रदान की गई है। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय ओर संघटक कॉलेजों के लिए एक उन्नत नया कोहा ऑन क्लाउड (संस्करण 23.05) स्थापित किया गया है ताकि प्रत्येक उपयोगकर्ता हमारे सभी परिसरों में उपलब्ध डेटाबेस तक पहुंच सके। आई.सी.ए.आर कृषिकोष में 3000 से अधिक विश्वविद्यालय थीसीस एवं विश्वविद्यालय के प्रकाशनों को एकीकृत किया गया है, जिससे श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय और संघटक कॉलेजों के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए पहुंच बढ गई है।

7. छात्र कल्याण निदेशालय

छात्र कल्याण निदेशालय छात्रों के संपूर्ण व्यक्तिव विकास के लिये कार्य कर रहा है। इसके अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) एवं राष्ट्रीय खेल संघटन (एन.एस.ओ.) की शाखायें स्थापित की गई है। इस निदेशालय के अधीन खेलकूद बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय में खेलकूद की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। सांस्कृतिक सचिव द्वारा विश्वविद्यालय में ललित कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजनाः – विश्वविद्यालय के संघटक 14 महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की सरकार द्वारा वित्त पोषित 14 इकाईयाँ स्थापित हैं। इन इकाईयों में हर वर्ष की भांति पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर, एवं एक दिवसीय शिविरों का नियमित रुप से आयोजन किया जा रहा हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर द्वारा समय–समय पर निर्देशित विभिन्न कार्यक्रम, अभियान जैसे–स्वच्छता ही सेवा, विश्व जल दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, महात्मा गांधी जयंती, शहीद दिवस, जन सुरक्षा पखवाड़ा, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, संविधान दिवस, हर घर तिरंगा, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जंयती, बसंत पंचमी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया हैं। स्वंय सेवक छात्र–छात्राओं द्वारा समय– समय पर साफ–सफाई कर श्रमदान किया गया, तथा श्रमदान के प्रति लोगो को जागरूक किया गया।

विश्वविद्यालय में सात दिवसीय विशेष शिविर निम्नानुसार आयोजित किये गयेः–

क्र.सं.	महाविद्यालय	दिनांक
1.	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर इकाई 1	10.02.2025 से 16.02.2025
2.	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर इकाई 2	10.02.2024 से 16.02.2025
3.	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर)	06.03.2025 से 12.03.2025
4.	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	30.01.2025 से 06.02.2025
5.	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़ बास (अलवर)	28.02.2025 से 07.03.2025
6.	कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	03.03.2025 से 09.03.2025
7.	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	06.03.2025 से 12.03.2025
8.	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	26.02.2025 से 03.03.2025
9.	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)	17.03.2025 से 23.03.2025
10.	कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	21.02.2025 से 27.02.2025
11.	कृषि महाविद्यालय, भुसावर	13.03.2025 से 19.03.2025
12.	कृषि महाविद्यालय, झिलाई	17.03.2025 से 23.03.2025
13.	उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा (जयपुर)	15.03.2025 से 21.03.2025
14.	डेयरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	27.02.2025 से 05.03.2025

एक दिवसीय विशेष शिविर का निम्नानुसार आयोजन किया गया : –

क्र. सं.	महाविद्यालय	दिनांक		
1.	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर इकाई 1	27.02.2025	28.02.2025	05.03.2025
2.	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर इकाई 2	06.02.2025	06.03.2025	16.10.2025
3.	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर)	27.05.2025	17.11.2025	28.11.2025
4.	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	07.04.2025	22.04.2025	14.05.2025
5.	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़ बास (अलवर)	04.01.2025	18.09.2025	13.12.2025
6.	कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	27.03.2025	28.03.2025	31.03.2025
7.	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	03.03.2025	04.03.2025	05.03.2025
8.	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	10.11.2025	26.10.2025	14.12.2025
9.	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)	27.01.2025	17.03.2025	17.04.2025
10.	कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	06.01.2025	01.03.2025	03.03.2025
11.	कृषि महाविद्यालय, भुसावर	14.11.2025	20.11.2025	26.11.2025
12.	कृषि महाविद्यालय, झिलाई	11.09.2025	19.09.2025	27.09.2025
13.	उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा (जयपुर)	12.08.2025	23.08.2025	30.08.2025
14.	डेयरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	13.10.2025	21.10.2025	22.11.2025

राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई: – विश्वविद्यालय के श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में सरकार द्वारा वित्त पोषित एक इकाई स्थापित हैं। क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर द्वारा समय–समय पर निर्देशित, विभिन्न कार्यक्रम, जैसे–विश्व जल दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, महात्मा गांधी जयंती, शहीद दिवस, जन सुरक्षा पखवाडा, राष्ट्रीय सडक सुरक्षा सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, संविधान दिवस, हर घर तिरंगा, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जंयती, बसंत पंचमी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एन सी. सी. कैडेटों द्वारा 26 जनवरी 2025 को गणतंत्रत दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता: – अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 06 से 10 अक्टूबर, 2025 तक श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में किया गया, जिसमें चौदह घटक कृषि महाविद्यालय एवं चार गैर–सरकारी महाविद्यालय शामिल हुए। इसमें श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय लालसोट, कुम्हेर, नवगांव, फतेहपुर, कोटपूतली, किशनगढ़बास, बसेड़ी, पीथमपुरी, झिलाई, भुसावर, डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय जोबनेर, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान और बागवानी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, सहित चौदह घटक महाविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी रही। उद्घाटन समारोह की शुरुआत सम्मानीय अतिथि माननीय कुलगुरू डॉ. बलराज सिंह, के नेतृत्व में हुई, उनके साथ डॉ. डी. के. गोठवाल, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के अधिष्ठाता और संकाय अध्यक्ष, यूनिवर्सिटी स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ. बसंत कुमार भींचर

शामिल थे। समारोह की शुरुआत खेल ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई। इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं जैसे कि कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स गतिविधियां जैसे लंबी कूद, ऊंची कूद, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर दौड़, चक्र फेंक, भाला फेंक, शॉट–पुट आदि शामिल थे। इन कार्यक्रमों में लड़कियों एवं लड़कों सहित कुल 810 विद्यार्थियों ने भाग लिया, सभी कार्यक्रम परिसर के भीतर सुचारू रूप से संपन्न हुए। राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के बारह कुशल शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञों ने कार्यक्रमों के निर्बाध आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। विशेष रूप से, माननीय कुलगुरू ने देर शाम तक कार्यक्रमों का दौरा किया और निरीक्षण करके व्यक्तिगत रुचि प्रदर्शित की। 10 अक्टूबर, 2025 को खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों दोनों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ संग्राम सिंह एवं कुलगुरू डॉ. त्रिभुवन शर्मा ने अध्यक्षता की। टूर्नामेंट के दौरान उभरती हुई टीम कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर) रही। सभी खेल स्पर्धाओं के लिए प्रतिष्ठित सामान्य चैम्पियनशिप का खिताब कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर) ने जीता। सभी कार्यक्रमों की देखरेख और प्रबंधन डॉ. बसंत कुमार भींचर, सचिव विश्वविद्यालय खेल बोर्ड, डॉ. नरेंद्र, असिस्टेंट डायरेक्टर शारीरिक शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर और सहायक कर्मचारियों द्वारा किया गया।

अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रमः 06–10 अक्टूबर, 2025 तक श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में अन्तर महाविद्यालय खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। 08.10.2025 को सांस्कृतिक कार्यक्रम (संगीत– एकल गीत, समूह गीत और देशभक्ति गीत एवं नृत्य– एकल नृत्य, शास्त्रीय नृत्य और समूह नृत्य, रंगमंच– मोनो एक्टिंग, माइम, स्किट और वन एक्ट प्ले), 06, 07 और 09.10.2025 को ललित कला कार्यक्रम (रंगोली, क्ले मॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, कोलाज और कार्टूनिंग) और 07.10.2025 को साहित्यिक कार्यक्रम (वाद–विवाद, एक्सटेम्पोर, भाषण, कविता और निबंध लेखन) आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 14 घटक कॉलेज एवं 4 सम्बद्ध कॉलेजों के लगभग 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अभिसंस्करण कार्यक्रमः – विश्वविद्यालय के संघटक 14 महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं कृषि शिक्षा में रोजगार की सम्भवनाओं के बारे में अवगत कराया जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	महाविद्यालय	दिनांक
1.	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	11.09.2025
2.	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर)	20.09.2025
3.	कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली	23-24.09.2025
4.	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़ बास (अलवर)	19.09.2025
5.	कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	19.09.2025
6.	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	20.09.2025
7.	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	20.09.2025
8.	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)	08.10.2025
9.	कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	26.09.2025
10.	कृषि महाविद्यालय, भुसावर	04.10.2025
11.	कृषि महाविद्यालय, झिलाई	20.10.2025
12.	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	16.10.2025
13.	बागवानी महाविद्यालय, दुर्गापुरा	22.10.2025
14.	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा	30.10.2025

कौशल विकास केन्द्रः – श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कौशल विकास केन्द्र द्वारा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक महाविद्यालयों में कौशल विकास केन्द्र द्वारा कुल 6 व्याख्यान, 2 शैक्षिक भ्रमण, 1 संगोष्ठी,1 कार्यशाला और नियमित कक्षाओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 1000 से अधिक छात्र–छात्राओं को लाभ हुआ।

- **अन्य–**

❖ श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलगुरू डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती मनाने के लिए आयोजित यूनिटी रन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई, जिसे 31 अक्टूबर, 2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। अपने संबोधन में डॉ. चौहान ने बताया कि स्वतंत्रता के बाद एक मजबूत और एकीकृत भारत बनाने के लिए विभिन्न रियासतों को एकजुट करने में सरदार वल्लभभाई पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस अवसर पर, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष और कार्यक्रम के आयोजक डॉ. डी. के. गोठवाल ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के युवाओं में देशभक्ति और सामाजिक सद्भाव की भावना पैदा करने का एक अवसर है। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. के. सी. शर्मा ने इस अवसर पर कहा, 'रन फॉर यूनिटी' एक राष्ट्रव्यापी मैराथन है जो राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करता है। इस कार्यक्रम में 206 से अधिक शिक्षण, गैर–शिक्षण कर्मचारियों के साथ–साथ छात्र और छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

❖ जोबनेर स्थित श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय में एनसीसी और एनएसएस इकाइयों द्वारा नशामुक्ति रैली और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नुक्कड़ नाटक से हुई, जिसमें नशे के दुष्प्रभावों और समाज पर उसके नकारात्मक असर का संदेश दिया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष डॉ. डी. के. गोठवाल व अन्य अधिकारियों ने युवाओं को नशा मुक्ति अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद निकाली गई रैली में छात्रों ने शहरवासियों को जागरूक किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 61 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिसमें छात्रों व शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

8. अनुसंधान निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का अनुसंधान निदेशालय विश्वविद्यालय के सभी अनुसंधान केन्द्र तथा उपकेन्द्रों में हो रहे अनुसंधान के उद्देश्यों की कार्य योजना की निगरानी एवं मूल्यांकन की भूमिका निभाता है। इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में दो कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर, शेखावाटी (सीकर) व नवगॉव (अलवर), एक राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर एवं चार कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) आते हैं। विश्वविद्यालय की सभी संघटक इकाईयों द्वारा किसानों के लिए नई तकनीकियों का विकास एवं उत्तम बीज उत्पादन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में अनुसंधान को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं कार्यरत हैं इनके अर्न्तगत विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों, उत्पादन व पौध संरक्षण तकनीकों एवं जलवायु परिवर्तन आधारित प्रौद्यौगिकी के विकास हेतु अनुसंधान सतत् प्रक्रियारत हैं।

अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाः– विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर वर्तमान में 17 दीर्घावधि अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत गेहूं, जौ, चना, मूँगफली, बाजरा, ग्वार, मूंग, उड़द, मसूर, अरहर, राजमा, शुष्क क्षेत्रीय फल जैसेः– बेर, आंवला, लसोडा, बील आदि, मसाले वाली फसलें जैसेः– जीरा, धनिया, मैथी, सौफ एवं सब्जियां आदि फसलों पर अनुसंधान करने के साथ–साथ समन्वित कृषि प्रणाली, सफेद लट एवं मृदा आर्थोपोड, कीटनाशी अवशेष, वानिकी, सूत्रकृर्मी प्रबंधन, कृषि मौसम सेवा आदि विषयों पर सतत् अनुसंधान द्वारा नवीन किस्में, उन्नत उत्पादन एवं पौध संरक्षण तकनीकियां विकसित की जा रही हैं, जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र के किसान लगातार लाभान्वित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएँः– विश्वविद्यालय में क्षेत्र विशेष हेतु विशिष्ट समस्याओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं बनाई जाती हैं। वर्ष 2024–25 में तीन राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं यथा कृषि उत्पादन प्रणाली को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, जर्मप्लाज्म भंडारण के लिए मध्यम अवधि भंडारण मॉड्यूल की स्थापना, गेहूं और जौ के बीजों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए रखरखाव प्रजनन एंव गुणवत्ता बीज उत्पादन बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय खेतों का सशक्तिकरण और यंत्रीकरण आदि परियोजनाएं विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई हैं। वर्तमान में तरल जैविक योगों का मानकीकरण और विशेषता, अर्द्ध शुष्क परिस्थितियों में महत्वपूर्ण सब्जियों के गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन, फार्म का आधुनिकीकरण एवं मशीनीकरण परियोजनाएं, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में एवं कम लागत वाले पॉलीहाउस संरचनाओं के तहत सब्जी की खेती के लिए किसान अनुकूल दृष्टिकोण, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में चल रही हैं।

परीक्षण प्रोजेक्टः– विश्वविद्यालय द्वारा निजी क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पाद, जैसे फसलों की किस्म, कीटनाशी, फफूंदनाशी, शाकनाशी आदि को इस क्षेत्र की जलवायु में परीक्षण किया जाता है। इन परिणामों के आधार पर इन उत्पादों कों क्षेत्र में उपयोग लाने हेतु सिफारिश की जाती है। प्रतिवेदन वर्ष में 42 परीक्षण प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये गये हैं।

अन्य परीक्षणः– राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थानों पर हो रहे अनुसंधान एवं उन संस्थानों पर विकसित विभिन्न फसलों की नवीन किस्मों या तकनीकियों को बहु केन्द्रीय परीक्षण हेतु विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों पर प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 7 परीक्षण प्राप्त हुए हैं।

शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की मुख्य उपलब्धियां निम्न है।

नवीन विकसित किस्मे

क्र.सं.	किस्म का नाम	अनुशंषा संख्या व दिनांक	प्रमुख लक्षण	फोटो
बाजरा	हाइब्रिड बाजरा RHB 273	बाजरा की वार्षिक समूह बैठक (28–30) मई, 2025) में भारत के ए1जोन के लिए चयनित।	• दोहरे उद्देश्य वाला त्रिगुणित संकर • उच्च अनाज उपजः 22–22.5 क्विंटल/हेक्टेयर • अधिक भूसा उपजः 48.03 क्विंटल/हेक्टेयर • शीघ्र फूल आनाः 44 दिन • परिपक्वताः 74–76 दिन • डाउनी मिल्ड्यू और ब्लास्ट रोगों के प्रति प्रतिरोधी • स्मट, शूट फ्लाई, स्टेम बोरर और ग्रे वीविल से कम नुकसान • बालियों पर मौजूद रेशों के कारण पक्षियों द्वारा कम नुकसान	
चना	कर्ण चना 20 (RSGD 1155)	13 मई 2025	• देरी से बुवाई के लिए उपयोगी • औसत उपज (पूर्वोत्तर समतल क्षेत्र में): 16–17 क्विंटल प्रति हेक्टेयर जबकि (उत्तर–पश्चिम मैदानी क्षेत्र में): 23–24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर • पौधे मध्यम ऊंचाई के होते हैं जिसमें सफेद फूल लगते हैं। • यह पूर्वोत्तर समतल क्षेत्र में 115–117 दिन में परिपक्व होती है, जबकि उत्तर–पश्चिम मैदानी क्षेत्र में 130 दिन में परिपक्व होती हे। • बीज हरे भूरे रंग के साथ गोल और झुर्रीदार होते हैं • दाने माध्यम आकार के होते हैं तथा 100 दानों का वजन 15–18 ग्राम होता है। • यह किस्म विल्ट, शुष्क जड़ सडन और स्टंट बीमारी के प्रति मध्यम प्रतिरोध प्रदर्शित करती है • इसमें 19.7% प्रोटीन की मात्रा होती हैं।	

जौ	आर. डी. 3064	केंद्रीय किस्म रिलीज समिति द्वारा जारी किया गया है, लेकिन भारत सरकार द्वारा अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है।	आर डी 3064 दो पंक्तियों वाली माल्ट जौ की एक उच्च उपज देने वाली (56–22) क्विंटल/हेक्टेयर) किस्म है जो उत्पादकता और स्थिरता का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करती है। तीन वर्षों के समन्वित उपज परीक्षणों में इसने माल्ट जौ की सभी अन्य किस्मों जैसे डीडब्ल्यूआरबी 52 (10–26) डीडब्ल्यूआरबी 182 (20.28%) डीडब्ल्यू आरबी 219 (6.00%)और आरडी 2849 (9.96%) को सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण उपज लाभ के साथ पीछे छोड़ दिया है।	

विकसित प्रौद्योगिकी/तकनीकी/सिफारिशें

इस प्रतिवेदन वर्ष में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा निम्न प्रौद्योगिकी/तकनीकीयों की सिफारिश की गई:

जोन–II ए

1. बाजरे की फसल की खेती की लागत को कम करने के लिए, बाजरा–गेहूं फसल प्रणाली में जीरो टिलेज पद्धति के साथ 60 किलोग्राम/हेक्टेयर नाइट्रोजन का प्रयोग लाभदायक है।
2. बुवाई के समय नाइट्रोजन की पूर्ण अनुशंसित मात्रा तथा 25–30 दिन तथा 50–60 दिन पर 5 मिली/लीटर नैनो नाइट्रोजन का पतियों पर छिड़काव करना चाहिए, जिससे बाजरे का उत्पादन बढ़ता है।
3. लोबिया/चवला किस्म टीसी–901 (2018) : इस किस्म को उत्परिवर्तन प्रजनन के माध्यम से विकसित किया गया है। इस किस्म के बीज की उपज 9 से 10 क्विंटल/हेक्टयर तक होती है। लोबिया मोजेक और जड़ सड़न रोगों के लिए प्रतिरोधी है। यह 65–70 दिन में पकने वाली किस्म है।
4. ग्वार की फली में गांठे बनने के प्रबंधन हेतु: इमामेक्टिव बेंजोएट 10 ग्राम सक्रिय तत्व या 200 ग्राम दवाई की मात्रा को 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें, यदि आवश्यक हो तो प्रथम स्प्रे के 15 दिन बाद छिड़काव दोहराएं।
5. वर्षा आधारित मूंग फसल की अच्छी पैदावार के लिए अनुशंषित फास्फोरस (40 किग्रा–प्रति हेक्टर) की आधी मात्रा डी. ए. पी. के द्वारा तथा आधी अनुशंसित फास्फोरस की मात्रा (150 से 200 किग्रा प्रोम प्रति हेक्टेयर) प्रोम खाद द्वारा बुआई के समय प्रयोग करें तथा मूंग के बीजों को फॉस्फोरस घुलनशील बैक्टीरिया से उपचारित करें।
6. जैविक खेती में मूंग की अच्छी पैदावार के लिए अनुशंषित फास्फोरस की पूरी मात्रा प्रोम खाद द्वारा बुआई के समय प्रयोग करे तथा मूंग के बीजों को फॉस्फोरस घुलनशील बैक्टीरिया से उपचारित करें।
7. बलुई दोमट मिट्टी में गेहूं की खेती की लागत कम करने के लिए, बाजरा– गेहूं फसल प्रणाली में जीरो टिलेज पद्धति को अपनाना लाभप्रद है।
8. बाजरा–गेहूं फसल प्रणाली में उत्पादकता और लाभप्रदता दोनों को बढ़ाने के लिए गेहूं में 100–120 किलोग्राम/हेक्टेयर नाइट्रोजन का उपयोग किया जाना चाहिए।
9. गेहूं की किस्में: डीबीडब्ल्यू–332 (करण आदित्य): यह आईसीएआर–आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल द्वारा विकसित एक उच्च उपज वाली गेहूं की किस्म है। यह रतुआ रोगों के लिए मजबूत प्रतिरोध, इसकी औसत उपज लगभग 40 से 42 किलोग्राम क्विंटल प्रति/हेक्टेयर और उपज क्षमता 78.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है और यह भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में जल्दी बुवाई की स्थिति में उगाने के लिए उपयुक्त है।
10. डीबीडब्ल्यू–327 (करण शिवानी): यह भारत के उत्तर–पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के लिए आईसीएआर–आईआईडब्ल्यूबीआर,

करनाल द्वारा विकसित एक उच्च उपज देने वाली, ऊष्मा सहनशील गेहूँ की किस्म है। यह रतुआ रोगों के प्रति प्रतिरोधी और जल्दी बुवाई, उच्च निवेश स्थितियों के लिए उपयुक्त है। इसकी औसत उपज 39.76 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और उपज क्षमता 79.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

11. मेथी की किस्में: आरएमटी–354 (2022): मेथी की किस्म आरएमटी–354 श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा विकसित की गई है और इसकी अधिसूचना संख्या एस.ओ. 3254(ई) दिनांक 20 जुलाई, 2022 है। यह किस्म राजस्थान राज्य के लिए अनुशंसित है। RMt–354 130 से 140 दिनों में पक जाती है और इसकी औसत बीज उपज 16.00 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह समय पर बुवाई के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है। इसके पौधे मध्यम ऊँचाई के, सीधे बढ़ते हैं और प्रति पौधे अधिक शाखाएँ और फलियाँ उत्पन्न करते हैं।

12. अजमेर मेथी–5 (ए.एफजी.–5): अजमेर मेथी–5 का विकास भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, तबीजी, अजमेर द्वारा किया गया है। इसे राजपत्र अधिसूचना संख्या एस.ओ. 692(ई) दिनांक 05.02.2019 के अंतर्गत अधिसूचित किया गया था। यह किस्म राजस्थान में खेती के लिए उपयुक्त है। यह मध्यम अवधि (130–140 दिन) की होती है। इसके बीजों में 3.98% आवश्यक तेल होता है। शाखाएँ अच्छी होती हैं। अजमेर मेथी–5 की बीज उपज14 से 15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक होती है।

13. चने की फसल में, बुवाई से पहले बीजों को इमिडाक्लोप्रिड 600 एफएस/4.0 मिली प्रति किलोग्राम बीज या क्लोथियानिडिन 50% डब्ल्यूडीजी/2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करने से दीमक का प्रकोप कम होता है।

14. जैविक चना फसल में, जहां दीमक की समस्या गंभीर है, वहां बुवाई से पहले बीजों को जैव–कवक मेटारिज़ियम एनिसोप्लिया 10.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करने से दीमक का प्रकोप कम होता है।

15. गेहूँ की फसल में, जहाँ दीमक की समस्या हो, बुवाई से पहले बीजों को इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल/3.5 मिली प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करने से दीमक का प्रकोप कम होता है।

16. गेहूँ की खड़ी फसल में दीमक का प्रकोप हो, तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल/500 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से मोटी बालू रेत या बजरी में मिलाकर खेत में समान रूप से भुरकें और फिर हल्की सिंचाई करें।

17. गेहूं की फसल में, जहां दीमक की समस्या गंभीर है, वहां दीमक के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए बुवाई से पहले बीजों को कीटनाशक इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल/3.5 मिली प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें, तथा इसके बाद खड़ी फसल में फुटान अवस्था में इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल/500 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से मोटी बालू रेत या बजरी के साथ मिलाकर भुरकाव कर हल्की सिंचाई करने से दीमक का बेहतर प्रबंधन होता है और उपज में बढ़ोतरी होती है। (बीज उपचार के लिए : 100 किलोग्राम बीज के लिए 5 लीटर पानी में कीटनाशक मिलाएं फिर उसके बाद दो घंटे सुखाकर तुरंत बिजाई करे).

18. पीला सरसों की किस्में: वाई.एस.एच. 0401: यह किस्म चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा 2009 में विकसित की गयी। यह मोटे दाने वाली किस्म है जिससे 12 से 16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त की जा सकती है। इसके बीजों में तेल की मात्रा 43 से 45 प्रतिशत तक होती है। इसके पौधों की उंचाई 110–130 सेमी होती है। इसकी परिपक्व अवधि 115–120 दिन है।

19. जे.वाई.एस.– 1: यह किस्म कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के द्वारा 2024 में विकसित की गयी। बईलोक्युलर,मोटे दाने वाली किस्म है जिससे 20 से 26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त की जा सकती है। इसके बीजों में तेल की मात्रा 41 से 45 प्रतिशत तक होती है। इसके पौधों की उंचाई 110–130 सेमी होती है। और इसकी परिपक्व अवधि 115–120 दिन है।

20. लवणयुक्त पानी की स्थिति के तहत (ईसी ≥ 6 डीएस/मी) जीरे की खेती के लिए सतही ड्रिप सिंचाई के साथ प्लास्टिक मल्च को अपनाने की सिफारिश की जाती है, जो मिट्टी की नमी संरक्षण को बढ़ाने, तापमान को नियंत्रित करने, नमक संचय को कम करने और शुष्क और अर्ध–शुष्क क्षेत्रों की रेतीली मिट्टी में फसल की वृद्धि, उपज और जल उपयोग दक्षता को बढ़ाने के लिए एक स्थायी अभ्यास के रूप में है।

21. शुष्क क्षेत्रों में जीरे की स्थायी खेती के लिए लवणीय और ताजे या संचित वर्षा जल का संयुक्त उपयोग किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेतीली मिट्टी में सिंचाई जल की लवणता सीमा स्तर (ईसी ≥ 3.2 डीएस/मी) से अधिक न हो। यह उपाय फसल की वृद्धि और उपज को बनाए रखता है, साथ ही जड़ क्षेत्र में मृदा लवणता के निर्माण को कम करता है और उत्पादकता और जल संसाधनों के कुशल उपयोग को बढ़ाता है।

22. जैविक मल्च, मौलिक सल्फर, और गोबर की खाद/वर्मीकम्पोस्ट का मिट्टी में प्रयोग करने की कृषि–तकनीकों के उपयोग से लवणीय सिंचाई के अंतर्गत रेतीली मिट्टी में जीरे की वृद्धि, उपज और जल उपयोग दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इन प्रबंधन पद्धतियों ने लवणता तनाव को प्रभावी ढंग से कम किया, मिट्टी में नमक के संचय को सीमित किया, और सौर विकिरण के सीधे संपर्क को कम करके जल उपयोग को बेहतर बनाया, जिससे शुष्क और अर्ध–शुष्क क्षेत्रों में उत्पादकता और लाभप्रदता में सुधार हुआ।
23. जीरे की किस्मों में जीसी–4 को खारे पानी की सिंचाई के तहत खेती के लिए अनुशंसित किया जाता है, क्योंकि इसकी उपज विशेषताओं, बीज उपज, जल उपयोग दक्षता और आर्थिक लाभ में बेहतर प्रदर्शन होता है, साथ ही शुष्क और अर्ध–शुष्क क्षेत्रों में अन्य किस्मों की तुलना में लवणीय परिस्थितियों के प्रति इसकी सहनशीलता और अनुकूलनशीलता भी अधिक होती है।

जोन–III ए

1. खरीफ प्याज में एन्थ्रेक्नोज रोग के प्रभावी प्रबंधन के लिए 5 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरिडी प्रति किलोग्राम की दर से कंद उपचार एवं 5 कि.ग्रा. गोबर की खाद के साथ प्रति हेक्टेयर की दर से मृदा उपयोग तथा 150 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर पोटाश के उपयोग के बाद फसल में बिमारी के लक्षण दिखाई देने पर एजोक्सीस्ट्रोबिन 18.2 प्रतिशत, डाइफेनोकोनाजोल 11.4 प्रतिशत एस.सी. के 0.1 प्रतिशत की दर से पर्णीय छिड़काव की सिफारिश की गयी।
2. तिल की फसल में अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के प्रभावी प्रबंधन एवं अधिक उत्पादकता के लिए फसल में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर एजोक्सीस्ट्रोबिन 11 प्रतिशत + टेबुकोनाजोल 18.3 प्रतिशत एस. सी. का 0.1 प्रतिशत की दर से पर्णीय छिड़काव करने की सिफारिश की गयी।
3. बदलती जलवायु परिस्थितियों में सरसों की फसल से अधिक उपज प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत पुष्पन एवं फली बनने की अवस्था पर 500 पी.पी.एम. की दर से पोटेशियम सिलिकेट के पर्णीय छिड़काव की सिफारिश की गयी।
4. चने की फसल में खरपतवारों के प्रभावी प्रबंधन तथा अधिक उत्पादकता के लिए फसल बुआई के 3 दिनों के अंदर पेंडिमेथालिन 30 ई.सी. की 750–1000 ग्राम सक्रिय मात्रा का प्रति हेक्टेयर की दर से 600–700 लीटर पानी में छिड़काव की सिफारिश की गयी।
5. सरसों की फसल में चैंपा/लाही के प्रभावी एवं सुरक्षित प्रबंधन के लिए आवश्यकतानुसार एजैडिरैक्टिन (नीम तेल) 300 पीपीएम का 5.0 मिली/लीटर पानी की दर से खड़ी फसल में छिड़काव की सिफारिश की गयी।
6. सब्जी मटर में पोषक तत्व प्रबंधन के लिए 300 किग्रा/हेक्टेयर की दर से फॉस्फेट युक्त जैविक खाद (प्रोम) + 10 किग्रा/हेक्टेयर फॉस्फेट + नाइट्रोजन एवं पोटाश की अनुशंसित मात्रा के उपयोग की सिफारिश की गयी।
7. चने की फसल में फली छेदक कीट के प्रभावी प्रबंधन तथा अधिक उत्पादकता एवं लाभप्रदता प्राप्त करने के लिए फ्लुबेंडियामाइड 39.35 एस.सी. की 150 मिली/हेक्टेयर की दर से छिड़काव की सिफारिश की गयी।
8. आलू की फसल में अगेती झुलसा रोग के प्रभावी प्रबंधन के लिए आलू के कंदों को कार्बेन्डाजिम से 2 ग्राम/किग्रा की दर से उपचारित करने एवं आवश्यकतानुसार डाइफेनकोनाजोल 25 ई.सी. का 0.5 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव की सिफारिश की गयी।
9. पत्ता गोभी किस्म गोल्डन एकर में अधिकतम उपज बढ़ाने और अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त करने के लिए रोपाई से 10 दिन पहले गोबर का खाद (FYM) के माध्यम से 50 प्रतिशत नाइट्रोजन और शेष 50 प्रतिशत नाइट्रोजन केंचुआ खाद के माध्यम से रोपाई के 20 दिन के बाद देने की सिफारिश की गई है।
10. भिंडी के बीज की बुवाई 1 से 15 मार्च के मध्य करने से अधिकतम उपज और अधिकतम शुद्ध आय बढ़ाने की सिफारिश की जाती है।
11. टमाटर की फसल की रोपाई के 30 और 45 दिन बाद प्लॉफिक्स 50 पीपीएम की दर के साथ सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण (मल्टीप्लेक्स 0.5%) का छिड़काव करने से टमाटर कि अधिकतम फल उपज एवम् अधिकतम शुद्ध आय प्राप्त करने की सिफारिश की जाती है।
12. सिंचित क्षेत्रों में, उत्पादकता और लाभ प्रदता बढ़ाने के लिए मूंगफली–गेहूँ या मूंगफली–जौ फसल चक्र अपनाने की सिफारिश की जाती है।
13. मूंगफली की अधिक उपज एवं शुध्द आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई फॉस्फोरस उर्वरकों की 50% मात्रा के साथ

नैनो डी.ए.पी. से बीज उपचार (2.5 मिली / किग्रा) एवं बुबाई के 60–65 दिन बाद नैनो डी.ए.पी. का एकपर्णीय छिढ़काव (2.0 मिली / लीटर पानी) करने की सिफारिश की जाती है।

14. ग्वार की फसल में बुवाई के 15–20 दिन बाद प्रोपाक्विज़ाफॉप तथा इमाज़ेथापायर मिश्रण का 62.5 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करने पर खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण हुआ। इसके परिणामस्वरूप, बिना निराई वाली अवस्था की तुलना में उपज में 99.6 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त हुई। यह उपचार पूर्व में अनुशंसित विधि के समान प्रभावी पाया गया तथा इससे 1167.22 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज उपज प्राप्त हुई।
15. अनुशंसित उर्वरक मात्रा के 75 प्रतिशत के साथ बीजों का सूक्ष्मजीवी संघ द्वारा उपचार (3–4 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज) तथा गोबर की खाद में मिलाकर 5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से सूक्ष्मजीवी संघ का मृदा में प्रयोग करने से, 100 प्रतिशत अनुशंसित उर्वरक मात्रा की तुलना में ग्वार (क्लस्टरबीन) और लोबिया में क्रमशः 15.4 प्रतिशत तथा 25.0 प्रतिशत अधिक उपज प्राप्त हुई। इस उपचार के अंतर्गत औसत दाना उपज ग्वार में 1169 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर और लोबिया में 1241.3 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रही, जबकि लाभदृलागत अनुपात क्रमशः ग्वार में 2.60 तथा लोबिया में 3.88 पाया गया।
16. सरसों की उत्पादकता बढाने एवमं अधिकमतम शुध्द आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई नत्रजन एवं फॉस्फोरस की मात्रा के साथ 30 किलोग्राम पोटेशियमप्रति हैक्टेयर बुबाई के समय देने की तथा सरसों के बीजों को पोटेशियममोबोलाइजिंग जैव उर्वरक (के.एम.बी.) से 10 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करने की सिफारिश दी जाती है
17. सरसों की उत्पादकता बढाने एवमं अधिकतम शुध्द आय प्राप्त करने हेतु सिफारिश की गई नत्रजन एवं फॉस्फोरस उर्वरकों की मात्रा के साथ 160 किलोग्राम डाईहाईडरेड पोलीहैलाईट प्रति हैक्टेयर बुबाई के समय देने की सिफारिश की जाती है।
18. मसूर की फसल में खरपतवारों के प्रभावी प्रबंधन के लिए पेंडिमेथालिन 30%+इमाजेथापायर 2% ईसी (रेडी मिक्स) शाकनाशी का पूर्व–उद्भेदन अवस्था में 800 ग्राम सक्रिय तत्व / हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में प्रयोग करने की सिफारिश की जाती है।
19. सरसो की फसल में खरपतवारों के प्रभावी प्रबंधन के लिए, बुवाईके 25–30 दिन बाद हस्तचलित यांत्रिक उपकरण (वीडर) से खरपतवार निकालने की सिफारिश की जाती है।
20. सरसों की फसल में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन करने के लिए, बुवाई के 2 दिनों के अंदर पेंडिमेथालिन 38.7 CS का 680 ग्राम सक्रिय तत्व / हेक्टेयर की दर से छिड़काव करे, उसके 30–35 दिन बाद क्विज़ालोफोप–इथाइल 5% EC का 40 ग्राम सक्रिय तत्व / हेक्टेयर की दर से खड़ी फसल में छिड़काव करे। दोनों छिडकावो में 500–600 लीटर पानी का प्रयोग किया जा सकता है।
21. चने की फसल में खरपतवारों के प्रभावी प्रबंधन के लिए, बुवाई के 25–30 दिन बाद हस्तचलित यांत्रिक उपकरण (वीडर) से खरपतवार निकालने की सिफारिश की जाती है।
22. गेहूं की फसल में खरपतवार के प्रबंधन हेतु खड़ी फसल में बुवाई के 30 से 35 दिन पश्चात शाकनाशी क्लोडिनाफॉप प्रोपार्जिल 15% + मेटसल्फ्यूरॉनमिथाइल 1% डब्ल्यूपी (मिश्रित घोल) का 64 ग्राम सक्रिय तत्व 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
23. मिर्च में रोपाई की तिथि से तीन सप्ताह (21 दिन) बाद फ्लुओपाइरम 34.48% एससी / 1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से जड़ क्षेत्र में 750–1000 लीटर पानी के साथ मिट्टी को भिगोने के रूप में प्रयोग करें। इस निमेटोसाइड का उपयोग ड्रिप सिंचाई के साथ भी किया जाता है।
24. मिर्च में रूट–नॉट निमेटोड के प्रबंधन के लिए मिर्च के पौधों की रोपाई से पहले जैव–एजेंट के संवर्धन के लिए 2.5 किग्रा. / हेक्टेयर पर्प्यूरियोसिलियम लिलासिनम को 25 किग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में समान रूप से डालें।
25. अमरूद में जड़–गांठ सूत्रकृमि (रूट–नॉट निमेटोड) के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए अमरूद के पेड़ों के राइजोस्फेरिक जड़ क्षेत्र में मिट्टी को भिगोने (ड्रेनचिंग) के लिए फ्लूओपाइरम एस.सी. दवाई की मिली लीटर मात्रा प्रति पौधा का प्रयोग करें। यह निमेटीसाइड अमरूद में जड़–गांठ सूत्रकृमि (रूट–नॉट निमेटोड) के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए सबसे प्रभावी है। मिलीलीटर दवाई को लीटर पानी में मिलाकर प्रति पौधे जड़ क्षेत्र में डालें और आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

कार्यरत अखिल भारतीय समन्वित/ नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं एवं उनकी प्रमुख उपलब्धियां

1. ए.आई.सी.आर.पी., कृषि वानिकीः कृषि वानिकी प्रणाली और मृदा स्वास्थ्य सुधार अनुसंधान जारी।

2. अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना में संकर किस्म जारीः जल्दी पकने वाली संकर किस्म आरएचबी 273 को 28 मई 2025 को किस्म पहचान समिति द्वारा भारत के ए1 जोन में खेती के लिए अनुशंसित किया गया था। बाजरा परीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत, खरीफ 2025 के दौरान 15 परीक्षण आयोजित किए गए, समन्वित परीक्षणों में शीघ्र और मध्यम परिपक्वता वाले संकरों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें आरएआरआई, दुर्गापुरा के दो उन्नत संकर, आरएचबी 273 से आरएचबी 283 तक शामिल थे। जैसलमेर और बाड़मेर जिलों से एकत्रित बाजरा की कुल 52 देसी जर्मप्लाज्म का परीक्षण किया गया। तीस नर–बाँझ (ए–लाइन) किस्मों के साथ सोलह पुनर्स्थापना किस्में और 60 स्थापित आर–किस्मों को 700 पंक्तियों में परीक्षण किया गया। सात जनक आर–किस्मों के लिए प्रजनक बीज उत्पादन सफलतापूर्वक पूरा किया गया। बायोफोर्टिफाइड संकर किस्मों आरएचबी 233 और आरएचबी 234 के 49 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) आयोजित किए गए, जिसमें आरएचबी 234 (24.6%) और आरएचबी 233 (20.2%) ने किसानों द्वारा पसंद की जाने वाली संकर किस्मों की तुलना में अधिक अनाज उपज दिखाई।

3. अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजनाः प्रमुख उपलब्धियों में से एक नई चने की किस्म, आरएसजीडी 1155 (करण चना 20) की पहचान और अधिसूचित की गई। राष्ट्रीय एवं स्टेशन क्रॉसिंग कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न उपयोगी लक्षणों वाले जीनोटाइप का प्रयोग करते हुए 22 नए संकरण सफलतापूर्वक किए गए । चने में गामा किरणों की विभिन्न स्तरों और तीन सुस्थापित किस्मों, अर्थात~ CSJ 515, GNG 2171 और GNG 1581 का उपयोग करके उत्परिवर्तन प्रजनन पर प्रयोग किया गया। विभिन्न स्टेशन परीक्षणों (GSAVT, GSIVT, MLT) में कई आशाजनक परिणाम प्रदर्शित करने वाली उल्लेखनीय प्रविष्टियाँ (देशी एवं काबुली) चिन्हित की गईं। केंद्र ने कुल 2000 जर्मप्लाज्म का सावधानीपूर्वक रखरखाव किया। इसके अतिरिक्त, प्रजनन कार्यक्रम में भविष्य में शामिल करने के लिए उनकी उपयुक्तता का आकलन करने हेतु 200 कार्यरत जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन किया गया। सीआरपी एग्रोबॉयोडायवर्सिटी के अंतर्गत 5000 जर्मप्लाज्म लाइनों का शुष्क जड़ सड़न रोग के लिए मूल्यांकन किया गया।

4. अखिल भारतीय समन्वित एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजनाः भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम की ओर से राजस्थान के अर्द्ध–शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र के किसानों हेतु एकीकृत कृषि प्रणाली (IFS) मॉडल के विकास के लिए प्रशंसा पत्र। भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम की ओर से राजस्थान के अर्द्ध–शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र के किसानों हेतु बैंक योग्य (Bankable) एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल के विकास के लिए प्रशंसा–पत्र दिये गये।

5. अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजनाः 05 प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वार 245 कृषक एवं कृषक महिलाएँ, प्रशिक्षण एवं उन्नत सब्जी बीज से लाभान्वित हुए ।

   - वर्ष 2024–25 में फसल सुधार के 68 परीक्षण, जैविक–अजैविक तनाव प्रबंधन के 17 परीक्षण, रोग प्रबंधन के 06 परीक्षण और सब्जी उत्पादन के 05 परीक्षण का मूल्यांकन किया गया। साथ ही साथ सब्जी उत्पादन की 03 सिफारिशें भी दी गई।

   - खरबूजा किस्म दुर्गापुरा मधु एवं तरबूज़ किस्म दुर्गापुरा केसर का प्रजनक बीज का प्रजनक का उत्पादन पुनः आरंभ किया

   - बैंगन, लौकी, ग्वार, लोबिया, तरबूज, खरबूजा आदि की प्रजनन सामग्री का विकास आरंभ किया जा रहा है।

6. प्याज और लहसुन पर अखिल भारतीय नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाः वर्ष 2024–25 में फसल सुधार के 18 परीक्षण, रोग प्रबंधन के 02 परीक्षण औरसब्जी उत्पादन के 02 परीक्षण, एक प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया ।

7. अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली शुष्क दाल अनुसंधान परियोजना (AINP on Arid Legume): "ग्वार एवं लोबिया में राष्ट्रीय स्तर पर दो अनुशंसाएँ की गई हैं तथा अनुसंधान कार्य प्रगति पर है।

8. अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाः दो किस्मों की पहचान की मूंगफली पर वार्षिक समूह बैठक, 2024 में कि गई।

9. मूंग, उड़द, मसूर, लथिरसराजमा और मटर पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाः में मूंग की एडवांस वैरायटल ट्रायल –1 (AVT–1) में प्रमोट किए गए, जीनोटाइप RMG1254 और RMG1252, उड़द एडवांस वैरायटल ट्रायल –1 (AVT–1)में प्रमोट किए गए।

10. अखिल भारतीय समन्वित सूत्रकृमि परियोजना में दलहनी तथा तिलहनी फसलों में सूत्र कृमियों की जाँच एवं प्रतिरोधक क्षमता देखी गयी।

11. अखिल भारतीय समन्वित मुल्लार्प परियोजना में खरीफदलहनी फसलों में रोग प्रतिरोधक किस्मों के विकास हेतु स्क्रीनिंग की गयी (मूंग, उड़द, अरहर आदि), रबी दलहनी फसलों में रोग प्रतिरोधक किस्मों के विकास हेतु स्क्रीनिंग की गयी (मटर,मसूर, लेथायिरस आदि)

12. अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गेहूं एवं जौ में गेहूं तथा जौ में प्रतिरोधक किस्मों के विकास हेतु 380 गेहूं तथा 342 जौ की किस्मों की स्क्रीनिंग की गयी। गेहूं तथा जौ में मोल्या रोग के नियंत्रण हेतु जैविक नियंत्रण पर ट्रायल लगाये गए।

13. अखिल भारतीय समन्वयक कीटनाशक अवशेष परियोजना में भिंडी की फसल में फिप्रोसिन 15 प्रतिशत + फलोनिमिड 15 प्रतिशत का अपव्यय और स्थायित्व पर अनुसंधान पूर्ण हुआ। जीरा में पाईडिलुमेटन 6.89 प्रतिशत + डिफेनोकोनाजोल 11. 49 प्रतिशत एसई कवकनाशी के स्थायित्व का अध्ययन पूर्ण हो गया। अच्छी कृषि क्रियाओं (GAD) के अन्तर्गत अनुसंधान जारी है।

14. अखिल भारतीय समन्वित बीज प्रौद्यौगिकी अनुसंधान परियोजनाः इस परियोजना के अन्तर्गत बीज अंकुरण टेस्ट करने हेतु सुविधाएं विकसित कर विश्वविद्यालय के बीजों का अंकुरण टेस्ट किया गया। अनाज भंडारण, अनाज की गुणवत्ता आदि पर अनुसंधान कार्य प्रगति पर है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं

1. Maintenance Breeding for Enhancing Seed Quality of Wheat and Barley (RKVY 42) में मिनी टीलर, मिनी थ्रेशर और सीड ड्रिल कार्य आदेश जारी किया गया है। थ्रेशिंग फ्लोर एंव टिनसेड़ का निर्माण कार्यप्रगति पर है।

2. Strengthening and Mechanization of University Farms to Enhance Quality Seed Production (RKVY 41) में थ्रेशर, सीड ड्रिल एंव अन्य कृषि उपकरण खरीदनाकार्य आदेश जारी किया गया है। भंडारण गोदाम, थ्रेशिंग फ्लोर एंव टिनसेड़ का निर्माण कृषि महाविद्यालय,कोटपुतली, लालसोट, फ़तेहपुर कार्य का कार्य आदेश जारी किया गया है।

   - सिंचाई के उपकरण कृषि महाविद्यालय, झिलाय, लालसोट, और किशनगढ़बास ने खरीद लिए है

3- Establishment of Medium-Term Storage Module for Germplasm Storage (RKVY ४०): 85 लाख रू की बिल्डिंग निर्माण कार्य का बजट इस वर्ष मे नही दिये जाने के कारण कोई खरीद नही हुई है।

4. कम लागत वाली पॉलीहाउस संरचनाओं के तहत सब्जी की खेती के लिए किसान–हितैषी दृष्टिकोणः

   - वर्ष 2024–25 में कम लागत वाला 03 पॉली हाउस का निर्माण किया गया

   - 01 एक्सटेंशन फ़ोल्डर प्रकाशित किया गया।

अन्य परियोजनाएँ एवं उपलब्धियां

1. ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजनाः मौसम का पूर्वानुमान किसानों को सूचित किया जा रहा है।

2. एकीकृत कृषि प्रणाली परियोजना (नाबार्ड): बकरी पालन, जल कुण्ड, उद्यान, केचुआ एवं अजोला ईकाइ का कार्य पूर्ण हुआ।

3. आई.सी.ए.आर.– ए.आई.सी.आर.पी., बाजरा पी.सी. ईकाई, जोधपुरः बाजरा कि संकर किस्मो एवं कीटों से फसल को बचाने से सम्बन्धित अनुसंधान कार्य प्रगति पर है।

4. आई.सी.ए.आर.–ए.आई.सी.आर.पी., जौ लवणीय/क्षारीय) आई.आई.डब्ल्यू.बी.आर., करनालः जौ कि लवणीय/क्षारीय किस्मो पर अनुसंधान प्रगति पर है।

5. सरसो (सी.एस.एस.आर.आई., करनाल): सरसो कि लवणीय/क्षारीय किस्मों पर अनुसंधान प्रगति पर है।

6. पोषण सुरक्षा के लिए चयनित फसलों में जैव–संवर्धन पर अनुसंधान मंच (सीआरपी) के लिए संघ Consortia for Research Platform (CRP) in 'Bio-fortification in selected crops for nutritional security: उच्च लौह (Fe) और जस्ता (Zn) सामग्री के लिए पहचानी गई बाजरे की तीन किस्मों RIB 15178, RIB 15185 और RIB 15186 को नई दिल्ली स्थित NBPGR में पंजीकृत करने की प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है।

7. जैव विविधता पर संघ का अनुसंधान परियोजना – चने में शुष्क जड़ सड़न रोग के खिलाफ स्क्रीनिंग (Consortia research project on agrobiodiversity - screening against dry root rot of chickpea): 5000 जर्मप्लाज्म को स्क्रीन किया जिसमें प्रथम वर्ष में 100–120 जर्म प्लाज्म को शुष्क जड़ सड़न रोग के खिलाफ प्रतिरोधी पाया गया

8. फसल विविधीकरण पर पायलट परियोजनाः अजमेर, अलवर एवं भरतपुर जिलों के कृषि विस्तार कर्मियों, इनपुट डीलरों तथा कृषकों की तकनीकी क्षमता संवर्धन एवं नवीन कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रसार के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों (कुल 6 प्रशिक्षण) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य कृषि उत्पादन बढ़ाने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा किसानों तक वैज्ञानिक अनुशंसाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करना था।

बीज उत्पादन

	प्रजनक बीज			प्रमाणित, आधार एवं सत्य चिन्हित् बीज उत्पादन		
वर्ष	खरीफ	रबी	योग	खरीफ	रबी	योग
2014–15	135.75	2489.5	2625.25	–	–	–
2015–16	202.89	1475.72	1678.61	157.67	647.44	805.11
2016–17	460.38	2591.07	3051.45	229.67	854.28	1083.95
2017–18	349.78	2165.86	2515.64	240.24	962.62	1202.86
2018–19	317.34	3046.35	3363.69	277.28	1734.78	2012.06
2019–20	333.69	2602.89	2936.58	218.41	2463.65	2682.06
2020–21	382.70	2320.47	2703.17	382.40	1751.53	2133.93
2021–22	535.34	2336.07	2871.41	251.40	3222.17	3473.57
2022–23	540.61	2250.54	4493.00	892.20	3886.03	5441.91
2023–24	546.87	3998.73	4614.90	1271.19	5438.28	6709.00
2024–25	1516.08	4566.95	6083.03	715.81	3658.52	4374.33

प्रजनक बीज उत्पादन (रबी, 2024–25)

क्र. सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (है.)	उत्पादन (क्विंटल)
1	गेंहू	राज. 1482, राज. 3077, राज. 3765, राज. 4037, राज. 4079, राज. 4120, राज.4238	116.65	3541.55
2	जौ	आर.डी. 2035, आर .डी. 2052, आर .डी. 2552, आर.डी. 2715, आर.डी.2786, आर.डी. 2794, आर.डी.2849, आर.डी. 2899, आर.डी. 2907	25.25	759.95
3	चना	आर.एस.जी. 807, सी.एस.जे.के. 174, सी.एस. जे. 515	10.10	94.30
4	मसूर	के.एम. 3	5.65	66.30
5	तरामीरा	आर.टी.एम. 1355, आर.टी.एम. 1351, आर.टी. एम. 1624	0.70	2.60
7	मैंथी	आर.एम.टी. 305, आर.एम.टी. 1, आर.एम.टी. 354	0.3	0.75
8	धनिया	आर.सी.आर. 728, आर.सी.आर. 435, आर.सी. आर. 436	2.8	25.69
9	सौंफ	आर.एफ. 205	0.1	0.20
10	सरसों	राधिका, डी.आर.एम.आर.आई.जे. 31, एम..बी. पी.एम. 1825	8	75.61
		कुल	169.55	4566.95

प्रमाणित, आधार एवं सत्य चिन्हित् बीज उत्पादन (रबी, 2024–25)

क्र. सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (है.)	उत्पादन (क्विंटल)
1	गेंहू	राज 4238, राज 1482, राज 3077, राज 4037, राज 4120, राज 4079	47.76	1091.39
2	मसूर	के.एम. 1, के.एम. 2	11.05	85.33
3.	जौ	आर.डी. 2660, आर.डी. 2794, आर .डी. 2899, आर.डी. 2907, आर.डी. 2786, आर. डी. 2849, डी.डब्ल्यू.आर.बी. 137	55.90	1414.23
4.	चना	जी.एन.जी. 2171, आर.एस.जी. 807, सी . एस.जे. 515, जी.एन.जी. 1581	64.50	394.08
5.	सरसों	राधिका, आर.एच. 725, आर.एच. 761, बी. आई.ओ. 902, राधिका, एन .आर.सी.एच.बी. 101, डी.आर.एम.आर. आई.जे.–31, डी.आर. एम.आर. 1165–40, बी. पी.एम. 11	122.50	564.11
6.	मैंथी	आर.एम.टी. 1, आर.एम.टी. 305, आर.एम. टी. 354	6.25	92.52
7.	सौंफ	आर.एफ 125	2.5	12.76
8.	तरामीरा	आर.टी.एम. 1355	0.75	4.10
		कुल	311.21	3658.52

प्रमाणित, आधार एवं सत्य चिन्हित् बीज उत्पादन (खरीफ, 2025)

क्र. सं.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (है.)	उत्पादन (क्विंटल)
1	मूंग	एम.एच. 1142, एम.एच. 421	42.0	337.18
2.	ग्वार	आर.जी.आर. 12–1(कर्ण ग्वार 1), आर. जी.सी. 1033, आर.जी.सी. 1038, आर. जी.सी. 1066, आर.जी.सी. 936, आर. जी.सी. 1031	42.3	308.45
3.	चंवला	आर.सी. 19	2.5	10.80
4.	उड़द	के.यू. 4	14.8	39.23
5.	ढेंचा	स्थानीय	4.5	20.15
		कुल	106.1	715.81

विशेष उपलब्धियां / गतिविधियां

क. सं.	उपलब्धी / गतिविधि	दिनांक	विवरण
1.	20 विकसित प्रौद्योगिकी/ तकनीकी/सिफारिशें	जनवरी से दिसंबर 2025	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर ने सर्वाधिक 20 विकसित प्रौद्योगिकी / तकनीकी / सिफारिशें विकसित की
2.	भारत सरकार के राष्ट्रीय खाद्य तेल–तिलहन मिशन अंर्तगत "सीड–हब परियोजना" की स्वीकृति	08.12.2025	निदेशक (तिलहन), कृषि एवं किसान कल्याण (तिलहन खण्ड), भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्रांकः F.No.2-22/NFSM-OilSeeds(E-112614), दिनांकः 08.12.2025
3.	भारत सरकार के राष्ट्रीय खाद्य तेल–तिलहन मिशन अंर्तगत "विशेष बीज भंडारण इकाई" स्थापना परियोजना की स्वीकृति	08.12.2025	निदेशक (तिलहन), कृषि एवं किसान कल्याण (तिलहन खण्ड), भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्रांकः F.No.2-22/NFSM-OilSeeds(E-112614), दिनांकः 08.12.2025
3.	उच्च तकनीक वाली पौधशाला संरचना के माध्यम से आय सृजन	मार्च–दिसंबर, 2025	मोरिंगा, सागौन, नीम, करंज, जामुन, रोहिड़ा, अर्जुन, मीठा नीम आदि के पौधे, पौधशाला में उत्पादन कर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर अलग–अलग यूनिट पर लगभग 10–29 लाख के बेचे गए, उपरोक्त कार्य पौधे, पौधशाला में उत्पादन डॉ. उदल सिंह, डॉ. एस.के. बैरवा, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. मनीष चौधरी, विवेक चौधरी, कृषि पर्यवेक्षक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा और डॉ . धर्मेंद्र त्रिपाठी, कृषि अनुसंधान केंद्र, फतेहपुर द्वारा तैयार किए गए

All India Coordinated Wheat & Barley Improvement Project
Title of trial: IVT-IRTS-Naked Barley-2024-25
Number of entries : 36
Design : Alfa Lattice
No. of replications : 02
Gross plot size : 5.0 x 1.38 m² (6 rows @ 23 cm)
Net Plot size : 4.5 x 0.92 m² (4 rows)
Row spacing : 23 cm
Date of Sowing : 21.11.2024
Agriculture Research Station, Navgaon, Alwar
(Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner)

SEED PRODUCTION
Crop : Groundnut
Variety : RG 578
Category : Breeder Seed
DOS : 16.06.2025
Agriculture Research Station,
Navgaon, Alwar (Rajasthan)
(SKN Agriculture University, Jobner)

WORLD SOIL DAY
WORKSHOP

9. प्रसार शिक्षा निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण, प्रर्दशन, कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से उन्नत एवं प्रभावी कृषि प्रौधोगिकी का हस्तान्तरण कर कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रो का संर्वागीण विकास करना है। प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोबनेर मुख्यालय पर कार्यरत है। प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में राज्य के 8 जिले आते है जिनमें आठ कृषि विज्ञान केन्द्र है जो निम्न स्थानों पर कार्यरत है।

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेडा– कोटपुतली, जयपुर
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
8. कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणिया

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	केन्द्र पर आयोजित प्रशिक्षण		गाँवों में आयोजित प्रशिक्षण	
	सँख्या	लाभान्वित	सँख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	36	1511	23	834
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	21	832	14	274
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	33	1195	20	875
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	33	947	36	1079
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	39	1441	16	305
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	12	498	14	308
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	26	746	9	408
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	14	509	15	492
प्रसार शिक्षा निदेशालय	05	317	08	191
कुल योग	219	7996	155	4766

किसान दिवस
राष्ट्रीय किसान संगोष्ठी
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर
FARMER
इण्डियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड, राजस्थान

कृषि विज्ञान केन्द्र

कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर
समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन
फसलः- तिल
खरीफः- 2025
उन्नत किस्मः- आर.टी 372
बुवाई दिनांकः- 09.07.2025
गांव :- रलावता
तकनीकीः- समन्वित कृषि प्रणाली

समूह प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

वैज्ञानिक प्रदर्श
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया,
प्रक्षेत्र दिवस
फसल: मूंगफली
किस्म: GG-37

प्रदर्शनों व परीक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन		आयोजित परीक्षण (औएफटी)		अन्य	
	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	140	350	03	30	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर (प्रथम)	175	439	01	10	165	165
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	276	760	3	40	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	376.05	1139	4	40	23	782
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	213.3	474	1	10	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	256	641	2	20	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	157.25	276	3	30	–	336
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर (द्वितीय)	153.20	383	02	20	00	00
प्रसार शिक्षा निदेशालय	5.0	37	–	–	–	–
कुल योग	1009.25	4499	19	200	188	1283

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई अन्य प्रसार गतिविधियां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रक्षेत्र दिवस		विभिन्न दिवस व कार्यक्रम		किसान मेला		प्रदर्शनी	
	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	2	102	42	924	0	0	2	8350
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	07	272	09	427	01	8752	04	9556
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	5	314	48	2629	1	8000	3	4162
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	3	172	165	16877	–	–	6	3950
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	2	77	10	774	0	0	1	10000

कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	6	354	07	378	01	84	2	1200
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली	7	229	34	2582	-	-	1	(Kisan Mela,
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां,	05	275	29	1532	00	00	02	528
प्रसार षिक्षा निदेषालय	02	125	18	1038	1	10000	02	10450
कुल योग	**39**	**1920**	**344**	**26123**	**4**	**26836**	**23**	**48196**

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	रेडियो वार्ता / टीवी वार्ता		कृषक भ्रमण		कृषक वैज्ञानिक संवाद	
	सँख्या	लाभान्वित	सँख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	0	0	4	305	3	322
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	02	–	58	1879	02	50
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	2	जन–समूह	10	459	4	234
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	8	समूह	3	100	5	668
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	4	–	2	85	2	50
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	00	00	4	160	4	120
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	1	.	1	100	2	170
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	02	123	03	168	02	106
प्रसार षिक्षा निदेषालय	0	0	6	191	01	64
कुल योग	19	123	91	3447	25	1784

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रर्दशन इकाईयां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रर्दशन इकाई का नाम	उत्पादन / संख्या
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	पौधशाला	18406 nos.
	बकरी पालन	12 nos.
	अजौला	10 कि.ग्रा.
	केंचुआ	1 कि.ग्रा.
	नींबू	365.25 कि.ग्रा.
	ग्वारपाठा पत्ती	656 कि.ग्रा.
	अण्डे	220

कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	केंचुआ खाद इकाई	3895 कि.ग्रा. केंचुआ खाद 280 कि.ग्रा केंचुए
	अजोला इकाई	32 कि.ग्रा.
	नर्सरी इकाई	43065
	बकरी पालन इकाई	5 बकरा
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	केंचुआ खाद इकाई	175455 रूपये 2150 किलो वमीकम्पोस्ट 1055 किलो वर्मीकल्चर
	मदर ओर्चार्ड इकाई	62000 रूपये 3100 किलो बेर उत्पादन
	नर्सरी इकाई	10980 रूपये 5490 पौधे
	मुर्गी पालन इकाई	7265 रूपये 1463 अण्डे, 8 पक्षी
	मधुमक्खी पालन इकाई	4080 रूपये, 17 किलो शहद
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	बकरी पालन इकाई	3 नर व 4 मादा
	केंचुआ इकाई	30 किग्रा
	केंचुआ खाद इकाई	15.55 क्विंटल
	अजोला इकाई	40 किग्रा
	मदर ओर्चाड इकाई	51000 रुपये
	नर्सरी इकाई	270691 पौध
	मुर्गी पालन इकाई	17110 रुपये
	गिरगाय इकाई	1 बछड़ा 2 गाय
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	नर्सरी ईकाई	57237 पौधा/पौध
	कैंचुआ ईकाई	20 क्विंटल
	मातृ वृक्ष बगीचा	04 मदर प्लांट बाग
	बकरी पालन	24
	जल संग्रहण इकाई	01
	गाय पालन इकाई	01
	नेपियर ग्रास इकाई	240 क्विंटल
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	केंचुआ इकाई	528 (कि.ग्रा)
	केंचुदा खाद इकाई	2726 (कि.ग्रा)
	अजोला इकाई	223 (कि.ग्रा)
	नर्सरी इकाई	22357
	मशरूम उत्पादन इकाई	65 (कि.ग्रा)
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	केंचुदा खाद इकाई	135 क्विंटल
	अजोला इकाई	02
	बेर एवं आंवला ओर्चार्ड इकाई	बेर 30 पौधे एवं आंवला 60 पौधे

अन्य परियोजनाएँ

क. सँ.	परियोजना का नाम	प्रमुख उपलब्धियां
कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर		
1.	किण्वित जैविक खाद	प्रदर्शन एवं खेत पर परीक्षण'
2.	राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन – तिलहन (एनएमईओ – ओएस)	प्रदर्शन
3.	समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (बायोफोर्टिफाइड)	प्रदर्शन
कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर		
1.	प्राकृतिक खेती	1. इस योजनान्तर्गत 6 प्रशिक्षण देकर 267 कृषकों को प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षित किया व केन्द्र पर प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले आदानों को बनाकर सिखाया। साथ ही केन्द्र पर प्राकृतिक खेती के अवयवों का क्रॉप केफैटेरिया स्थापित किया गया।
2.	निकरा परियोजना	1. जनवरी 2025 से दिसम्बर 2025 तक 7 VCRMC मीटिंगों का आयोजन किया व 47 मौसम पूर्वानुमान जारी किये। 2. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन–नमी संरक्षण प्लास्टिक मल्चिंग के अंगर्तत संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षण दिया गया। 3. 168 कृषकों को उन्नत किस्म के बीज योजनान्तर्गत प्रशिक्षण देकर प्रर्दशन लगवाये व साल भर हरे चारे के लिए 26 किसानों को जई व बरसीम मूंग (एमएच 1142), बाजरा (धनशक्ति), ग्वार (आरजीआर–12–1) आदि फसलों पर वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया व प्रर्दशन लगवाये। 4. कस्टम हायरिग सेंटर (सीएचसी) गांव चण्डीगढ–अहीर में सीड–ड्रील, कल्टीवेटर और अन्य कृषि यंत्रों से सुदृढ़ किया।
3.	आर्या परियोजना	45 प्रशिक्षणार्थीयों को 15 दिवसीय उन्नत बकरी पालन प्रशिक्षण दिया व 4 प्रशिक्षणार्थीयों को कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा बकरियां उपलब्ध करवायी गई व उनके द्वारा 7 बकरी पालन ईकाई स्थापित की गई।
4.	आदिवासी उपयोजना	1. 100 प्रशिक्षणार्थियों को पोषण वाटिका स्थापना एवं प्रबंधन का प्रशिक्षण देकर उन्हें बीजों के किट उपलब्ध करवाये। 2. गांव– कानोर, बगड राजपूत व एक नया गांव इस योजना के तहत जोड़कर (बडा गांव नैथला) 398 किसानों को विभिन्न फसलों के बीज उपलब्ध करवाया गया व प्रशिक्षण दिया गया (सरसों, गेंहू, जौ, बरसीम, जई व चना पशु आहार व मिनरल मिक्सर आदि) 3. 12 कृषकों को 11 बकरी व 8 मेनेजर प्रदान कर उनकी बकरी ईकाईयों को सुदृढ़ किया गया व 1 कृषक को 10 मुर्गी प्रदान कर उसके मुर्गी पालन ईकाई को सुदृढ़ किया गया। 4. अनाज भण्डारण व चारा छानने की मशीन 20 कृषकों को देकर लाभान्वित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, भरतपुर		
1	निकरा परियोजना	निकरा परियोजना अन्तर्गत किसानों के खेतों पर जलवायु अनुकूल तकनीकी फसल सरसों किस्म डीआरएमआर –1165 के 4 हेक्टर क्षेत्र में 16 प्रदर्शन, लवणता सहनसहील गेहूँ किस्म राज–4238 के 4 हेक्टर क्षेत्र मे 16 प्रदर्शन एवं निकरा अनुसूचित जाति किसानों के यहाँ 2 हे.में 8 प्रदर्शन साथ ही 100 किसानों के यहॉ सब्जियों के पोषण बगीचा प्रदर्शन एवं 6 पशुपालकों को सन्तुलित पोषण हेतु खनिज लवण मिश्रण के प्रदर्शन आयोजित किये गये। एक किसान के खेत पर बेर की उन्नत किस्म गोला, सेव एवं थाई एप्पल के 42 पौधे रोपित किये गये।
2.	SCSP-Sub Plan	अनुसूचित जाति उप–योजना अन्तर्गत अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन गेहूँ किस्म राज–4238 के 22.8 हे. में 58 प्रदर्शन, सरसों डीआरएमआर–116540 के 20 हे. में 50 प्रदर्शन, चारा फसल बरसीम 17 प्रदर्शन, 100 पोषण बगीचा प्रदर्शन आयोजित किये गये।
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर		
1	डामू प्रोजेक्ट	1. मौजूदा कृषि मौसम परामर्श सेवाएं (एएएस) जारी है। 2. ब्लॉक स्तर पर किसानों को फसल और स्थान के अनुसार विशिष्ट एएएस प्रदान किये गये। 3. मौसम आधारित फसल परामर्श प्रसारित करने के लिए एक प्रणाली स्थापित किये गये। 4. मौसम पूर्वानुमान और वर्तमान फसल स्थिति के आधार पर कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन (एएबी) तैयार किये गये।
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर		
1	अनुसूचित जाती उप–योजना	• अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, अतिरिक्त आय के लिए चूजे, सिलाई मशीन, कुटटी काटने की मशीन, चारा छानने की मशीन तथा नस्ल सुधार के लिए सिरोही बकरे उपलब्ध करवाये गये।

प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोबनेर की विशेष उपलब्धियां:

- श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा दो दिवसीय एग्रो–एक्स्पो–2025 किसान मेला आयोजित : प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर तथा कृषि विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त सौजन्य से एग्रो–एक्स्पो–2025 का सफल आयोजन दिनांक 10 से 11 मार्च, 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में किया गया जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि कृषि मंत्री राजस्थान सरकार श्री किरोड़ी लाल मीणा तथा विशिष्ठ अतिथि राजस्थान सरकार के किसान आयोग के चैयरमेन श्री सी.आर. चौधरी के द्वारा किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सीजीएम नाबार्ड राजीव सिवाच तथा विशिष्ठ अतिथि ए.के. मीणा, उप–शासन सचिव (कृषि) राजस्थान सरकार किसान ने मेले में प्रर्दशनी का अवलोकन किया तथा फसल प्रतियोगिता में विजेता कृषकों और कृषक महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मेले में लगभग 10000 से अधिक कृषक, कृषक महिलाओं, कृषि स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्रशस्ति भाग लिया।

- प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा 10–11 मार्च, 2025 को आयोजित कृषि–एक्सपो 2025 किसान मेले के दौरान प्रकाशित एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव सुरसिंहपुरा तथा बस्सी झाझडा में वर्ष 2025 में निम्न कार्यक्रम आयोजित किये गये :

- **प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रमः** गाँव– सुरसिंहपुरा के ग्राम पंचायत परिसर में दिनांक 22.01.2025 को आंगनवाडी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गाँव के सरपंच प्रतिनिधि ग्राम विकास अधिकारी, वार्ड पंचों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की मौजूदगी में गाँव के 55 ग्रामीणों, महिलाओं एवं स्कूल की लडकियों ने भाग लिया।
- **स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमः** गाँव– सुरसिंहपुरा में दिनांक 15.02.2025 को सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के सहयोग से स्वच्छता जागरूकता रैली आयोजित की गई। माध्यमिक विद्यालय के 60 विधार्थियों ने स्वच्छता जागरूकता रैली कार्यक्रम में भाग लिया।
- **नशामुक्ति कार्यक्रम का आयोजनः** ग्राम सुरसिंहपुरा में दिनांक 19.03.2025 को तथा बस्सी झाझड़ा में दिनांक 26.03.2025 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. रामअवतार शर्मा, प्रोफेसर, प्रसार शिक्षा निदेशालय ने ग्रामीणों को नशा, धुम्रपान जैसी समाज में फैली कुरूतियों को खत्म करने के लिए प्रेरित किया। इसमें गांवों के क्रमश 45 तथा 21 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।
- **विश्वविद्यालय द्वारा गोदः** लिये गये इन गांवों में कम्प्यूटर साक्षरता, वृहद् वृक्षारोपण, स्वच्छता कार्यक्रम, पशु स्वास्थ्य जांच शिविर तथा उन्नत पशुपालन जागरूकता कार्यक्रम, नर्सरी प्रबंधन, वर्षा जल संरक्षण, दक्षता आधारित उन्नत पशुपालन पर प्रशिक्षण, वृद्धजनों (सिनियर सिटिजन) के सम्मान आदि कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किये गये।
- **प्रक्षेत्र दिवसः** निदेशालय द्वारा गांव सुरसिंहपुरा में दिनांक 19.03.2025 को मैंथी मसाला फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का भी आयोजन किया गया जिसमें 45 कृषक महिलाओं तथा कृषकों ने भाग लिया। अन्त में मैंथी मसाला फसल के 06 प्रदर्शनों का वैज्ञानिकों द्वारा अवलोकन भी किया गया।

- **विश्वविधालय का केलेण्डर और डायरी 2025 का प्रकाशन :** प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्वविद्याललय की डायरी व केलेण्डर मुद्रित करवाकर कृषि विज्ञान केन्द्रों को उपलब्ध करवाकर कृषकों तक नवीनतम कृषि प्रौधोगिकी का प्रचार–प्रसार किया गया।

- **वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक :** प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोबनेर के क्षेत्राधिकार में राज्य के 8 जिले समाहित हैं, जिनके सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर निदेशालय द्वारा द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर पर दिनांक 09.09.2025, कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा पर 10..09.2025 को, भरतपुर पर दिनांक 11.09.2025 को धौलपुर दिनांक 12.09.2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां पर दिनांक 17.09.2025 को, फतेहपुर पर दिनांक 18.09.2025 को कोटपूतली पर 19.09.2025 कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर दिनांक 01.10.2025 तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, चौमू पर दिनांक 31.10.2025 को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वार्षिक बैठकों का सफल आयोजन किया गया जिनकी अध्यक्षता डॉ. रघुनन्दन शर्मा, निदेशक, निदेशालय प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर ने की। इन बैठकों में कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पूर्व वर्ष के दौरान किये गये कार्यो की समीक्षा के साथ साथ आगामी वर्ष में किये जाने वाले कार्यो की रूपरेखा तैयार की जाती है। इन बैठकों में निदेशक प्रसार, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के साथ – साथ केन्द्र के वैज्ञानिक व जिले में संबंधित विभागों के पदाधिकारी हिस्सा लेते है।

- **कृषि वैज्ञानिकों के कौशल दक्षता विकास पर प्रशिक्षण :** प्रसार शिक्षा निदेशालय तथा प्रसार शिक्षा संस्थान, आंनद, गुजरात द्वारा एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण "प्रौधोगिकी के हस्तांतरण के लिए जनसंचार माध्यमों (मास मिडिया) के उपयोग की रणनीतियां" तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए समय और तनाव प्रबंधन कौशलं" विषय पर दक्षता विकास के लिए प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों, अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि महाविद्यालयों के 60 कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

- **प्रसार शिक्षा निदेशालय तथा कृषि विभाग,** जयपुर के सहयोग द्वारा एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन के अंतर्गत कृषि सखी/सामुदायिक संसाधन व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया जिसमें 60 कृषि सखियों ने भाग लिया।

- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के तहत सीधा प्रसारण कार्यक्रमः** प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोबनेर द्वारा विश्वविधालय स्तर पर तथा समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर दिनांक 02 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सीधा प्रसारण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 1370 किसानों ने भाग लिया।

- **पीएम धन–धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभांरभ सीधा प्रसारण कार्यक्रमः** प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोबनेर द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर तथा समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर दिनांक 11 अक्टूबर, 2025 को आयोजित किया गया जिसमें 1604 किसानों ने भाग लिया।

- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के तहत सीधा प्रसारण कार्यक्रमः** प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोबनेर द्वारा विश्वविद्याालय स्तर पर तथा समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रो पर दिनांक 19 नवम्बर, 2025 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के तहत सीधा प्रसारण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 1228 किसानों ने भाग लिया।

- **कृषक–वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रमः** बिहार सरकार के कृषि मंत्री श्री रामकृपाल यादव के राज्य के भ्रमण के दौरान श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा दिनांक 18 दिसम्बर, 2025 को कृषक–वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा किसानों ने भाग लिया।

10. शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय के शिक्षा निदेशालय का प्रमुख विभागीय कार्य स्नातकोत्तर व विद्यावचस्पति पाठ्यक्रम के शोध कार्य का अवलोकन व मूल्यांकन करना है। स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम में विषयों के अध्यापन/शोध करवाने हेतु संकाय के सह आचार्यो/प्राचार्यो को आधिकारिक मान्यता प्रदान करना, स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति के शोध संबंधी प्रबन्ध सारांश व शोध ग्रंथ को मूल्यांकित व स्वीकृत करवाना है। साथ ही शैक्षणिक परिषद् की बैठकों का नियमानुसार समय समय पर आयोजन करना व उसमें लिये गये निर्णयों की अनुपालना सुनिश्चित करना भी शिक्षा निदेशालय के कार्य विवरण का अंग है। इस वर्ष शैक्षणिक परिषद् की दो बैठके आयोजित की जा चुकी हैं और इन बैठकों में लिए गये सभी निर्णयों की अनुपालना की जा चुकी है। इस वर्ष स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम में अपना अध्ययन कर चुके विद्यार्थियों की संख्या निम्न प्रकार है–

विवरण	स्नातकोत्तर	विद्यावचस्पति
स्वीकृत शोध सारांश	96	54
मूल्यांकन हेतु थिसिस प्रेषित	83	24
परीक्षक द्वारा लंबित मूल्यांकित थिसिस	00	06
स्वीकृत व मूल्यांकित थिसिस	83	33

11. मानव संसाधन विकास निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के निदेशालय, मानव ससांधन विकास की स्थापना विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही सितम्बर, 2013 में हुई थी परन्तु मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा स्वतंत्र रूप से कार्य 7 जनवरी, 2015 से शुरू किया गया था। अपनी स्थापना के साथ ही निदेशालय, मानव ससांधन के समुचित उपयोग व विकास के लिए सतत् प्रयासरत है। निदेशालय, मानव ससांधन विकास ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व छात्रों के विकास के लिए कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। निदेशालय द्वारा प्रशिक्षणों के अलावा वैज्ञानिकों व शिक्षकों को राष्ट्रीय सेमिनारों, संगोष्ठियो व कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रतिवेदित वर्ष में निदेशालय ने कुल 53 सहायक–प्राध्यापकों एवं सह–प्राध्यापकों को ग्रीष्मकालीन, शीतकालीन, प्रशिक्षण तथा उन्नत संकाय प्रशिक्षण केन्द्र पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण के लिए अनुमोदित किया। इन प्रशिक्षणों का उपयोग विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में गुणवत्ता बढ़ाने पर किया जा रहा है।

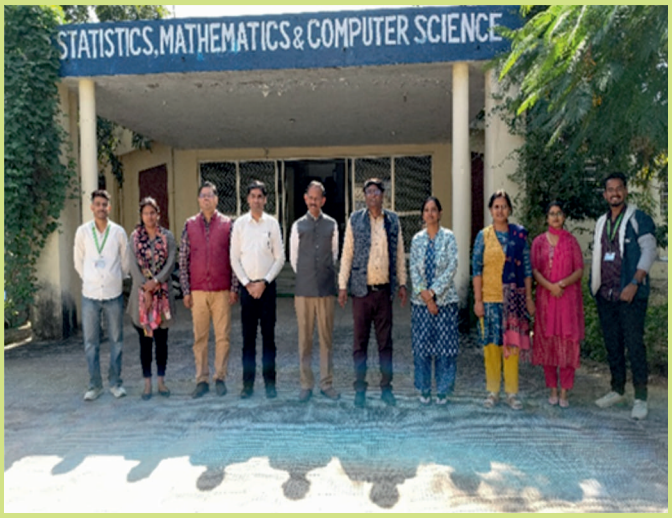

12. प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय

प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय, श्री कर्ण नरेन्द्र विश्वविद्यालय, जोबनेर 2013 से कार्यरत है। इसका कार्य शिक्षा, अनुसंधान एंव कृषि प्रसार संबधी महत्वपूर्ण सूचना उपलब्ध कराने या इनकी उपलब्धता के लिए मध्यस्थता की भूमिका है। यह निदेशालय विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण प्रकाशन जैसे वार्षिक प्रतिवेदन, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट आदि तैयार करके प्रकाशित करता है। साथ ही यह निदेशालय श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर तथा सभी संघटक एवं संबंद्ध महाविद्यालयों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से मान्यता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह निदेशालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से मान्यता के लिए स्वअध्ययन प्रतिवेदन संकलित करने का कार्य करता है। यह निदेशालय विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली एवं एन.ए.ए.सी. से मान्यता हेतु प्रयासरत है। निदेशालय द्वारा प्रत्येक माह में विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में शिक्षा, अनुसंधान एवं कृषि प्रसार क्षेत्र में मासिक उपलब्धियों का प्रतिवेदन एवं आजादी का अमृत महोत्सव की प्रगति सूचना तैयार कर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान लोकभवन, जयपुर को प्रेषित किया जाता है। यह निदेशालय भारतीय कृषि अनुसंधान, नई दिल्ली, राजस्थान सरकार, कुलाधिपति कार्यालय, जयपुर द्वारा मांगी गई सूचनाओं का संकलन कर प्रस्तुत करता है।

वर्ष 2025 में इस निदेशालय की प्रमुख उपलब्धियां निम्न है।

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा के अन्तर्गत श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय को मान्यता प्राप्त हुई।
2. वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय की मासिक उपलब्धियों का संकलन कर माननीय कुलाधिपति महोदय को प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में नियमित रूप से भिजवाई जा रही है।
3. वर्ष 2025 में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों की मासिक सूचना माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान, लोकभवन, जयपुर करना प्रेषित की गईं।
4. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के नये कुलपति प्रो. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान के सम्मान में 24.10.2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों के परिचय के साथ–साथ यहां शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार की गतिविधियों से अवगत करवाया गया।
5. विश्वविद्यालय में शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार की गतिविधियों और भविष्य की योजनाएँ बनाकर SKNAU Vision@2047 तैयार किया गया हैं।
6. निदेशालय द्वारा वर्ष 2025 में तीन नीति पत्र (Policy Paper) तैयार किये गये हैं।

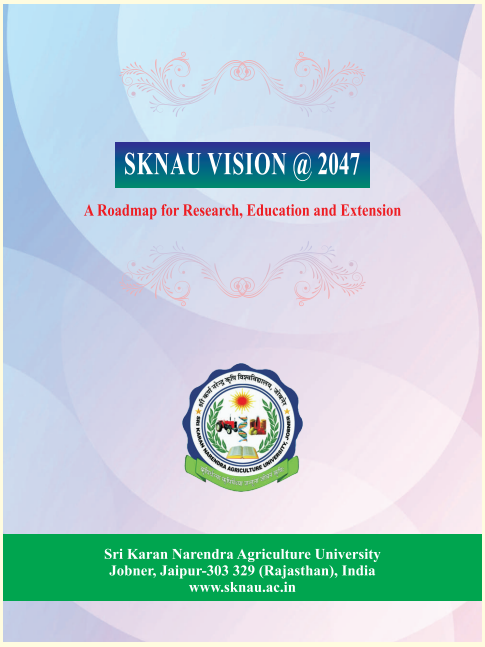

13. पुरस्कार

1. डॉ. महेंद्र मीना सहायक प्रोफेसर, हार्टीकल्चर, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर को वर्ष 2021–22 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार–2025 भारत की संसद, नई दिल्ली द्वारा 3 अप्रेल 2025 को दिया गया।
2. डॉ. बी. एल. दुदवाल सहायक प्रोफेसर, एग्रोनोमी, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर को आईएसए एसोशिएटशिप अवार्ड , 2024 पुरस्कार 6 वीं इंटरनेशनल एग्रोनोमी कॉंग्रेस, नई दिल्ली में दिनांक 24 से 26 नवम्बर, 2025 को प्रदान किया।
3. डॉ. महेंद्र मीना सहायक प्रोफेसर हार्टीकल्चर, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर को इंस्पायर फेलोशिप पुरस्कार भारत सरकार के जिला विकास मंत्रालय (डीएसटी), नई दिल्ली द्वारा 10 मार्च 2025 को प्रदान किया।
4. डॉ. हिना सहीवाला, सहायक प्रोफेसर, पादप जैव प्रौद्योगिकी, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (आणविक जीव विज्ञान के क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए) प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, आरएआरआई, दुर्गापुरा में STAR सोसाइटी, जयपुर और SKNAU जॉबनेर द्वारा आयोजित सम्मेलन 23–25 फरवरी, 2025 को दिया गया।
5. डॉ. गजानंद जाट एसोसिएट प्रोफेसर मृदा विज्ञान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर को सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन, डरहम, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित वर्कशॉप में 4 जुलाई 2025 को प्रदान किया गया।
6. डॉ. बी.एल. जाट प्रोफेसर कीट विज्ञान , श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर को 'ई.आर.ए. सोसायटी का प्रतिष्ठित फेलो पुरस्कार' ई.आर.ए., कीट विज्ञान विभाग, एमपीयूएटी, उदयपुर द्वारा आयोजित "परिवर्तित कृषि परिदृश्य में सतत पौध संरक्षण में प्रगति" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन 18–20 सितंबर, 2025 को दिया गया।
7. बागवानी महाविद्यालय, दुर्गापुरा–जयपुर, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर को श्री कल्पतरु संस्थान द्वारा आयोजित ग्रीन आइडल अवार्ड समारोह में ग्रीन आइडल अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया है।
8. डॉ. एस. के. जैन, प्रोफेसर जीपीबी. रारी, दुर्गापुरा को साइंस एंड टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन रीमॉडल सोसाइटी (स्टार्स), जयपुर, राजस्थान एवं श्री कर्ण नरेन्द्र विश्वविद्यालय, जोबनेर के सहयोग से स्टार उत्कृष्टता पुरस्कार 23–25 फ़रवरी, 2025 को दिया गया।
9. डॉ. रानी सक्सेना को ICAR-NAARM और एईईटीडीएस द्वारा 'महिला उत्कृष्टता पुरस्कार' से 25 सितंबर, 2025 को सम्मानित किया गया।
10. डॉ. भाव्या मिश्रा, सहायक आचार्य, पौध व्याधि विभाग, रारी, दुर्गापुरा को SKCET के KVK चानपुरा, मधुबनी (बिहार) द्वारा "सतत भविष्य के लिए अभिनव कृषिः विकसित भारत के लिए रणनीतियाँ 2047" पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "युवा वैज्ञानिक पुरस्कार" 7–9 फरवरी, 2025 को दिया गया।
11. कृषक श्री रूपचंद कहार, गांव –नदी द्वितीय, अजमेर को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा अप्रेल–2025 को संरक्षित खेती तथा फूलों की खेती तथा बागवानी उत्पादन पर सराहनीय कार्य के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर द्वारा आई.सी.ए.आर इनोवेटिव फार्मर्स अवार्ड–2025 प्रदान किया गया।
12. कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा आयोजित किसान मेला (एग्री एक्सपो–2025), दिनांक 10–11 मार्च, 2025 में निम्न कृषकों को पुरस्कृत किया गया।
    - श्री मोहन सिंह शेखावत को कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली द्वारा प्रगतिशील किसान पुरस्कार।
    - श्री देशराज रावत को कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली द्वारा बील फसल में प्रथम स्थान अवार्ड।
    - श्री शेर सिंह को कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली द्वारा चुकन्दर फसल में प्रथम स्थान अवार्ड।
    - श्री अशोक कुमार पुत्र श्री नारायण लाल, ग्राम– नगला माधोपुर, अलवर को कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर द्वारा जिला स्तरीय

जैविक खेती पुरस्कार आत्मा परियाजना के अन्तर्गत।

- श्री महावीर पुत्र हुसमल ग्राम– बहरीपुर, अलवर को कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर द्वारा प्रगतिशील कृषक पुरस्कार।
- श्री रामकिशन पुत्र सुगरिया राम, ग्राम– गुर्जरपुर खुर्द, रामगढ, अलवर को कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर द्वारा बकरी पालन में नवाचार के लिए प्रगतिशील कृषक पुरस्कार।
- श्री जवाहर सिंह पुत्र श्री ईन्दर सिंह, ग्राम–गुर्जरपुर खुर्द, रामगढ, अलवर को कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर द्वारा प्राकृतिक खेती में नवाचार कर प्रगतिशील कृषक पुरस्कार।
- श्री कपुर चंद पुत्र श्री शेर सिंह, ग्राम– गुर्जरपुर खुर्द, रामगढ, अलवर को कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर द्वारा प्रगतिशील कृषक पुरस्कार।
- श्री बने सिंह पुत्र श्री ईसर सिंह, ग्राम– गुर्जरपुर खुर्द, रामगढ, अलवर को कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर द्वारा प्रगतिशील कृषक पुरस्कार किसान मेला।
- श्री धर्मवीर सिंह श्री हरि सिंह यादव ग्राम– बर्डोद, कोटपुतली–बहरोड को कृषि विज्ञान केन्द्र, अलवर द्वारा प्रगतिशील कृषक पुरस्कार।

13. डॉ प्रियंका जोशी, विषय विशेषज्ञ गृह विज्ञान को कृषि विज्ञान केंद्र, भरतपुर द्वारा श्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतिकरण पुरस्कार कृषि, खाद्य प्रौद्योगिकी, जैविक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान में वैश्विक विकास के लिए उभरते मुद्दों पर 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (EIAFTBASGD-2025) एमपीयूएटी, उदयपुर में 15–17 नवम्बर 2025 को प्रदान किया गया।
14. कृषक श्री सुरेंद्र सिंह को कृषि विज्ञान केंद्र, धौलपुर द्वारा जैविक खेती पुरस्कार किसान मेला 10–11 मार्च, 2025 को दिया गया।
15. कृषक श्री रामनारायण थाकन, गांव – बोबास, जोबनेर को प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर स्तर पर फैलो फार्मर्स अवार्ड–2025 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा अप्रेल–2025 को संरक्षित खेती में बागवानी फसलों का उत्पादन पर सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया।

14. प्रतिष्ठित आगंतुक

1. डॉ. पी. सी. जैन सेवानिवृत्त, प्रोफेसर, कीट विज्ञान और पूर्व डीन, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने 24 मई 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया और संकाय सदस्यों से बातचीत की।
2. माननीय कुलपति प्रोफेसर गजेंद्रसिंह राठौर आरएनबीजीयू विश्वविद्यालय, बीकानेर ने 22 अगस्त 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।
3. डॉ. के.के. दहिया, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक (कीट विज्ञान) एवं पूर्व निदेशक, आरडीएससीड्स, सीसीएसएचएयू, हिसार ने 04 मार्च 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर की प्रायोगिक अनुभव इकाई (जैव नियन्त्रण एजेंटा और जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन) / जैविक कीट विविधता प्रयोगशाला / कीट भण्डारण प्रयोगशाला का भ्रमण किया
4. डॉ. सुवालालजाट, निदेशक, समेती (आत्मा), दुर्गापुरा, जयपुर ने 09 मार्च 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर की प्रायोगिक अनुभव इकाई (जैव नियन्त्रण एजेंटो और जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन) / जैविक कीट विविधता प्रयोगशाला / कीट भण्डारण प्रयोगशाला का भ्रमण किया।
5. डॉ. आर.के. शर्मा, पूर्वप्रधानवैज्ञानिक, आईएआरआई–आईसीएआर, नई दिल्ली ने 29 मार्च 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर की प्रायोगिक अनुभव इकाई (जैव नियन्त्रण एजेंटो और जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन) / जैविक कीट विविधता प्रयोगशाला / कीट भण्डारण प्रयोगशाला का भ्रमण किया।
6. डॉ. मनमोहन सुंदरिया, प्रोफेसर (कीट विज्ञान) एवं निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने 26 जून 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर की प्रायोगिक अनुभव इकाई (जैव नियन्त्रण एजेंटो और जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन) / जैविक कीट विविधता प्रयोगशाला / कीट भण्डारण प्रयोगशाला का भ्रमण किया।
7. डॉ. मयूर आमेटा, डीजीएम, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड, जयपुर ने 14 अक्टूबर 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर विभाग की प्रायोगिक अनुभव इकाई (जैव नियन्त्रण एजेंटो और जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन) / जैविक कीट विविधता प्रयोगशाला / कीट भण्डारण प्रयोगशाला का भ्रमण किया
8. डॉ. सी.एल. स्वामी, सहायक निदेशक, कृषि विपणन, जयपुर ने 20 नवम्बर 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर की प्रायोगिक अनुभव इकाई (जैव नियन्त्रण एजेंटो और जैव कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन) / जैविक कीट विविधता प्रयोगशाला / कीट भण्डारण प्रयोगशाला का भ्रमण किया।
9. डॉ. देवेन्द्र जैन, सहायक आचार्य, आणविक जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी, एमपीयूएटी, उदयपुर ने 12 सितम्बर 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में जैव रसायन विभाग और केंद्रीय प्रयोगशाला का दौरा किया। उन्होंने प्रभारी और संकाय सदस्यों के साथ केंद्रीय प्रयोगशाला में शुरू किए जाने वाले आणविक कार्यों और उपकरणों के उन्नयन के बारे में चर्चा की।
10. श्री मदन दिलावर, शिक्षा मंत्री , राजस्थान ने 24 जनवरी 2025 को कृषि प्रसार शिक्षा विभाग में रेडी स्टूडेंटस की प्रदर्शनी का अवलोकन किया
11. श्रीमती वसुंधरा राजे (पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान) ने 25 जनवरी 2025 को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में रावल कर्ण नरेंद्र सिंह जी की प्रतिमा का माल्यार्पण किया और महाविद्याालय की गतिविधियों की जानकारी ली।
12. डॉ. विनय भारद्वाज, वैज्ञानिक एव निदेशक, डॉ. रविंद्र सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान), डॉ. वाई. के. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, पादपरोग विज्ञान,राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, तबीजी अजमेर ने 6 फरवरी 2025 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा और रेडी स्टूडेंट्स की मसाला प्रदर्शनी का अवलोकन किया।
13. कुलपति प्रो. बलराज सिंह एवं श्री हकमअली, विधायक, फतेहपुर ने 30 मार्च 2025 को कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–सीकर में

बालक छात्रावास का शिलान्यास माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह एवं श्री हाकमअली, विधायक, फतेहपुर द्वारा किया गया।

14. कुलपति प्रो. बलराज सिंह एवं श्री हकमअली, विधायक, फतेहपुर ने 25 मई 2025 को कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर–सीकर में स्नातकोत्तर बालक एवं बालिका छात्रावास का शिलान्यास, माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह एवं श्री हकमअली, विधायक, फतेहपुर द्वारा किया गया।
15. श्री सुखवंत सिंह, माननीय विधायक, रामगढ़, अलवर ने 24 फरवरी 2025 को नवगांव व अलवर में नवनिर्मित कृषि कॉलेज भवन तथा छात्रावास का भ्रमण किया एवं 30 अप्रेल 2025 को कृषि महाविद्यालय, नौगांवा परिसर का भ्रमण किया और वृक्षारोपण किया।
16. श्री भूपेंद्र यादव, माननीय मंत्रिमंडल मंत्री, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 22 जून 2025 को नौगांवा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि महाविद्यालय का भ्रमण किया तथा केवीके की गतिविधियों और महाविद्यालय के नए शैक्षणिक ब्लॉक के निर्माण कार्य की प्रगति की संक्षिप्त समीक्षा की।
17. प्रो. पुष्पेंद्र सिंह चौहान, माननीय कुलपति, एसकेएनएयू, जोबनेर ने 27 अक्टूबर 2025 को कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली में इस अवसर पर कुलपति ने कॉलेज की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों का निरीक्षण किया और संस्था की प्रगति पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की।
18. श्री जवाहर सिंह बेढम माननीय गृहराज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार ने 5 जून 2025 को महाविद्यालय, बसेड़ी के अकादमिक व प्रशासनिक भवन का उदघाटन किया।
19. श्री खुमेर उल जमां चौधरी कलेक्टर भरतपुर ने 26 अगस्त, 2025 को कृषि महाविद्यालय, भुसावर का दौरा किया।
20. श्री रामनिवास पालीवाल, अतिरिक्त निदेशक एवं श्री शिवजी राम कटारिया, संयुक्त निदेशक, कृषि विभाग, सीकर ने 27 जूलाई 2025 को महाविद्यालय, पीथमपुरी में परिसर एवं फार्म का दौरा किया एवं एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत् महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया।
21. प्रो. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, माननीय कुलगुरू, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने 9 दिसम्बर 2025 को माननीय कुलगुरू महोदय द्वारा महाविद्यालय पीथमपुरी के अकादमिक भवन एवं प्रयोगशाला का ओचक निरीक्षण किया गया एवं महाविद्यालय के समस्त कर्मिकों के साथ मीटिंग कर फार्म के अनुसंधान एवं विद्यार्थियों की शिक्षा गुणवता में सुधार हेतु।
22. श्रीमती शैलजा देवल (मुख्य वनसंरक्षक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, जयपुर एवं निदेशक, वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, जयपुर) ने 19 अगस्त 2025 को डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।
23. माननीय कुलगुरू प्रो. पी.एस. चौहान ने 7 नवम्बर 2025 को डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया और संकाय सदस्यों और स्नातक छात्रों के साथ बातचीत की।
24. श्री भागीरथी जी चौधरी, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, डॉ. जय प्रकाश जी मिश्रा, निदेशक , अटारी , जोधपुर एवं डॉ. विनय भारद्वाज, निदेशक, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर ने 19 नवम्बर 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर पर आयोजित किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के अवसर पर सम्मलित हुए।
25. श्री राजन विशाल, शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी, राजस्थान ने कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर का 6 जून 2025 को भ्रमण किया।

    श्री लोक बंधु, कलेक्टर, अजमेर ने कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर का 18 अक्टूबर 2025 को भ्रमण किया।
26. माननीय श्रीं संजय शर्मा (वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री राजस्थान सरकार) ने 28 जनवरी 2025 का कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांवा, अलवर पर आयोजित देंसी बैच–06 के शुभारंभ समारोह व देसी बैच–04 के दीक्षांत समारोह के अवसर पर सम्मलित हुए।
27. माननीय श्री सुखवंत सिंह, विधायक रामगढ़ ने 24 फरवरी 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांवा, अलवर पर आयोजित पीएम–लाइव प्रोग्राम समारोह के अवसर पर सम्मलित हुए।
28. माननीय केबिनेट मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव (वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भारत सरकार) ने कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांवा, अलवर पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों का 22 जून 2025 भ्रमण कर प्रशंसा की।

29. माननीय कुलगरू प्रो. डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यायल, जोबनेर ने 27 अक्टूबर 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांवा पर स्थापित विभिन्न प्रर्दशन इकाईयों का निरीक्षण किया व विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की।
30. श्री शैलेष सिंह, माननीय विधायक डीग–कुम्हेर ने 2 अगस्त 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, भरतपुर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं केन्द्र की गतिविधियों का अवलोकन किया।
31. डॉ. जे पी मिश्रा, निदेशक, अटारी, जोधपुर ने कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा का 1 जनवरी 2025 को केन्द्र भ्रमण एवं समीक्षा की।

    श्री सी आर चौधरी, अध्यक्ष, किसान आयोग ने कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा का 22 जूलाई 2025 को भ्रमण किया।
32. बिग्रेडियर सौरभ सिंह भोखावत, बानसूर ने कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली का 6 मार्च 2025 को केन्द्र भ्रमण एवं समीक्षा की।
33. श्री एस. आर. कटारिया, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सीकर संभाग, सीकर ने क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति बैठक (रबी–2025) 23 एवं 24 सितम्बर 2025 को सम्मलित हुए।
34. श्री सुखवंत सिंह, माननीय विधायक, रामगढ़ विधानसभा ने 30 अप्रेल, 2025 को कृषि अनुसंधान केन्द्र के परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन में भाग लिया।
35. डॉ. शैलेश त्रिपाठी, परियोजना समन्वयक, रबी दलहन ने 01–03 फ़रवरी 2025 को रबी दलहन प्रयोगों की निगरानी, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में की।
36. डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, निदेशक, राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली ने 12 मार्च 2025 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित "जर्मप्लाज्म फील्ड डे सह कार्यशाला" कार्यक्रम के अवसर पर सम्मलित हुए।
37. डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा) ने 12 मार्च 2025 को अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना का दौरा किया।

15. सारांश

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने वर्ष 2025 मे शिक्षा अनुसंधान व प्रसार शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की है। इस प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्रबन्ध मण्डल की दो व शैक्षणिक परिषद् की दो बैठकें आयोजित हुई, जिनमें शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा के साथ साथ कर्मचारियों व छात्रों के कल्याण से सम्बन्धित महत्वपुर्ण निर्णय लिये गये। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यलय, जोबनेर के संघटक कृषि महाविद्यालयों के प्रशासनिक भवन, छात्र एवं छात्राओं छात्रावास, अधिष्ठाता निवास आदि भवनों का निर्माण वर्ष 2025 में लगभग पूर्ण हो गये हैं।

विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षान्त समारोह माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री हरभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में 5 मार्च 2025 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह में 1517 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 11 प्रतिभावान छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। विश्वविद्यालय में शिक्षा एवं अनुंसधान को उच्च स्तर पर ले जाने हेतु प्रतिवेदन वर्ष में राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शोध संस्थानों के साथ 05 अनुबंध किये गये।

इस वर्ष श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर में जैव रसायन विषय में स्नातकोत्तर तथा राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर में मृदा विज्ञान व पादप कार्यकी विषयों में विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम चालू किये गये हैं। शिक्षकों को शिक्षा और अनुसंधान की नयी विद्याओ की जानकारी हो इसके लिए विश्वविद्यालय के 53 शिक्षकों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की विभिन्न संस्थाओं अथवा दूसरे राज्य कृषि विश्वविद्यालयो में 21 दिवसीय प्रशिक्षण पर भेजा गया।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा इस प्रतिवेदन वर्ष में सौंफ की 2 उन्नत किस्में आर. एफ 289 (करण सौंफ 1) और आर.एफ. 290 विकसित की गई हैं। इसके अलावा चना की एक किस्म एस जी डी 1155 (करण चना 20) तथा जौ की एक किस्म RD–3064 भी विकसित की गई है। इस वर्ष विभिन्न फसलों में उत्पादन, पौध संरक्षण व अन्य विषयों पर आधारित कुल 43 उन्नत कृषि तकनीक विकसित की गई है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष प्रमुख फसलों का 4567 क्विंटल प्रजनक बीज व 4374 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ, जिससे क्षेत्र के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो पाया।

कृषि प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से इस वर्ष 219 संस्थागत एवं 155 गैर संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिनसे 12762 कृषक व कृषक महिलायें तथा युवा लाभान्वित हुए। साथ ही 1010 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये, जिनसे 4499 कृषक लाभान्वित हुए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान मार्च को भव्य किसान मेले का आयोजित किया गया जिसके माध्यम से 15000 से अधिक किसान लाभान्वित हुए। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष 45 कृषि प्रदर्शनीयो लगाई गई, जिनके माध्यम से 40,000 से अधिक किसानों को कृषि की नवीन तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। इस वर्ष के दौरान 22 कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये।

विश्वविद्यालय में 15 राष्ट्रीय स्तर एवं एक अतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों का आयोजन किया गया ताकि यहां के कृषि वैज्ञानिक अन्य वैज्ञानिकों से मुलाकात कर हमारे किसानों के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान कर सकें। विद्यार्थियों के चहुमुखी विकास के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर खेलों और सांस्कृतिक कार्योक्रमों का आयोजन 6–10 अक्टूबर, 2025 में किया गया। विद्यार्थियों के लिए Personality Development के लगभग 10 प्रोग्राम विभिन्न महाविद्यालयों में इस वर्ष किये गये है। भारत सरकार के RKVY-रफ्तार प्रोग्राम के तहत S-ABI द्वारा प्रदेश के 25 किसानों एवं युवाओं का रोजारोन्मुखी बनाने के लिए प्रशिक्षण में अलावा वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई है। प्रतिवेदन वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों, अशैक्षणिक कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने अपनी कार्य जिम्मेदारी से पूरा करने का भरसक प्रयास किया है।

NOTES

निदेशालय
प्राथमिकता, निगरानी एवं मुल्यांकन
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर-303329 (जयपुर) राजस्थान
फोन : 01425-25487
ई-मेल : director.pme@sknau.ac.in
वेबसाईट : www.sknau.ac.in

Harihar Printers, Jaipur Ph. 0141-2600850